राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारित

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार19अक्टूबर2020 वर्ष-3, अंक -263 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दुनिया में 4 करोड़ लोग कोरोना से हो चुके हैं संक्रमित, कुछ देशों में फिर से लगा लॉकडाउन

नई दिल्ली। पूरी दुनिया में लगभग 4 करोड़ लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। अमेरिका कोरोना वायरस के 80 लाख मामले देख चुका है। दूसरी ओर शुक्रवार को विश्व के कोरोना आंकड़ों में 40 हजार की वृद्धि देखी गई, जिसने एक दिन में बढ़ने वाले सबसे ज्यादा मामलों का रिकॉर्ड बना लिया। यूरोप में इटली और जर्मनी से लेकर पुर्तगाल तक कोरोना के रिकॉर्ड मामले दर्ज किए गए, जिसके कारण कुछ देशों को फिर से लॉकडाउन लगाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

लंदन के रहने वाले लोगों को दूसरे लोगों के घर आने-जाने पर प्रतिबंध लगाया जाएगा और पेरिस और आठ अन्य प्रमुख फ्रांसीसी शहरों के निवासियों को चार सप्ताह के लिए सुबह 6 बजे से लेकर रात के 9 बजे तक अपने घरों में रहने के लिए सीमित कर दिया जाएगा। स्पेन ने 6,591 मामले दर्ज किए और इटली ने रिकॉर्ड 10,010 मामले दर्ज किए; जबकि बेल्जियम सोमवार से चार सप्ताह के लिए रेस्तरां बंद कर देगा। फ्रेंच सीनेट के प्रेस कार्यालय ने कहा कि आठ फ्रांसीसी सीनेटरों ने कोविड -19 के लिए सकारात्मक परीक्षण किया है। सीनेटरों में से एक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राष्ट्र के 348 सीनेटरों में से 125 के बीच एक परीक्षण अभियान में मामलों का पता लगाया गया था। देश में शुक्रवार को 25,086 नए कोरोनोवायरस मामले सामने आए। संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि एक विभाजित दुनिया महामारी से लड़ने की चुनौती के लिए 'विफल' रही है, और लाखों लोगों को गरीबी में धकेलने से रोकने के लिए ठोस कार्रवाई का आह्वान किया।

अफगानी आतंकियों को घाटी में भेजने की साजिश रच रहा पाकिस्तान, खतरनाक लड़ाकों को भेजने की मंशा

नई दिल्ली। पाकिस्तान एक तरफ वैश्विक मंचों पर कश्मीर मुद्दे को लेकर भारत के खिलाफ दुष्प्रचार कर रहा है। दूसरी तरफ घाटी में आतंक की ख़तरनाक डिजाइन पर भी उसका लगातार काम चल रहा है। अफगान शांति वार्ता में अहम भूमिका निभाने का ढोंग रच रहा पाकिस्तान अफगानी आतंकियों की खेप कश्मीर घाटी में भेजने की साजिश रच रहा है। भारत ने पाकिस्तान की इस नापाक साजिश की ओर अफगानिस्तान के वार्ताकारों का ध्यान आकर्षित किया है। अमेरिका को भी पाकिस्तान की साजिश के बारे में भनक मिल चुकी है। पाकिस्तान से वार्ता में शामिल विभिन्न पक्ष आतंक पर नकेल को लेकर ठोस आश्वासन चाहते हैं।

घुसपैठ की योजना- खुफिया रिपोर्ट में जानकारी दी गई है कि पाकिस्तान सेना और आईएसआई ने जैश और लश्कर के अलावा अफगानी आतंकियों को घाटी भेजने

के लिए तैयार किया है। कश्मीर में घुसपैठ कराने के लिए एलओसी पर करीब 250 आतंकवादी पाकिस्तानी सेना ने इकट्ठे किए हैं। पाकिस्तान सेना की बॉर्डर एक्शन टीम-बैट सर्दियों में पहाड़ी दर्रों में बर्फ जमने से पहले इन आतंकवादियों को घाटी में भेजना चाहती है। अक्तूबर शुरू होते ही कश्मीर के ऊंचे पहाड़ों पर बर्फबारी शुरू हो चुकी है। अक्तूबर के आखिर तक बर्फबारी का सिलसिला बढ़ जाएगा। पाकिस्तान की सेना का मंसूबा है कि उससे पहले ही आतंकवादियों को कश्मीर घाटी में पहुंचा दिया जाए।

खतरनाक लड़ाकों को भेजने की मंशा- खुफिया सूत्रों ने कहा कि इन आतंकियों में जैश, लश्कर के साथ अफगानी आतंकी भी शामिल हैं। इन्हें ज्यादा खतरनाक लड़ाका माना जाता है। पाकिस्तान सेना इन्हें इलाके की भौगोलिक स्थिति से अवगत कराने के अलावा उन्हें जरूरी प्रशिक्षण भी दे रही है।

आतंकी कैम्प भी सक्रिय- सूत्रों ने कहा कि पाकिस्तान ने एलओसी के उस पार नए टेरर कैंप और लॉन्चिंग पैड भी बनाए हैं। सूत्रों ने बताया कि पीओके के मानसेरा सेक्टर और कोटली सेक्टर के कई इलाकों में पाकिस्तान ने नए लॉन्च पैड बनाए हैं। आतंक पर चोट इस साल अब तक करीब 182 आतंकी मारे जा चुके हैं। सुरक्षा बल घुसपैठ रोकने की खास रणनीति पर समन्वय के साथ काम कर रहे हैं।

बिहार चुनाव में NDA के लिए चुनौती है युवा नेतृत्व का मुद्दा, तेजस्वी और चिराग कर सकते हैं प्रभावित

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा के चुनाव में इस बार युवा मुद्दा सबसे अहम है। राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा-जद (यू) के सामने चुनौती दे रहे दलों की अगुवाई युवा नेताओं के हाथों में है। चुनाव मैदान में भी इस बार कई युवा नेता किस्मत आजमा रहे हैं। ऐसे में राज्य में पहली बार वोट डालने जा रहे लगभग 75 लाख युवा मतदाता अहम साबित हो सकते हैं।

बिहार का विधानसभा चुनाव इस बार कई मायनों में अलग तरह का है। सत्तारूढ़ गठबंधन और विपक्षी गठबंधनों में चुनाव के ठीक पहले दरार पड़ी। एनडीए का एक घटक दल लोजपा तो अलग से चुनाव मैदान में डटा हुआ है और खुद को भाजपा का असली साथी भी बता रहा है। जबकि भाजपा लगातार उस से दूरी दिखाने की कोशिश कर रही है, ताकि भाजपा और जद (यू) गठबंधन पर असर ना पड़े।

तेजस्वी व चिराग युवा चेहरे

इन सबके बीच सबसे बड़ा मुद्दा युवा नेतृत्व का है। एनडीए का नेतृत्व कर रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी के

सामने राजद के नेता तेजस्वी यादव और लोजपा नेता चिराग पासवान युवा होने के युवा होने के कारण युवाओं को ज्यादा प्रभावित कर सकते हैं। चुनाव मैदान में भी इस बार कई युवा नेता अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इनमें एक प्रमुख नाम शत्रुघ्न सिन्हा के बेटे लव सिन्हा का भी है। अन्य कई नेताओं के बेटे बेटियां भी राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने में जुटी हुई हैं।

एनडीए का जोर विकास व अनुभवी नेतृत्व पर

भाजपा और जद (यू) की तुलना में विपक्षी खेमे के पास युवा नेतृत्व होने से एनडीए की चिंताएं बढ़ी हुई है। वह कोशिश कर रहा है कि चुनावी मुद्दों में युवा फैक्टर आगे ना आए बल्कि अनुभव, विकास और केंद्र के साथ रिश्ते हावी रहें। साथ ही बिहार की विकास योजनाओं की चर्चा हो और राज्य सरकार के कामकाज पर जनता वोट करें। इसके साथ ही वह राजद के पुराने कार्यकाल की याद भी जनता को दिला रही है।

भाजपा का युवा मोर्चा जुटा

इन सबके बीच एनडीए की चिंताएं बरकरार हैं। सूत्रों के अनुसार, भाजपा ने अपने युवा मोर्चा और अन्य कार्यकर्ताओं को युवाओं के बीच प्रधानमंत्री मोदी को आगे रखकर एनडीए के लिए समर्थन जुटाने की रणनीति बनाई हुई है। इसके लिए पार्टी हर विधानसभा स्तर पर अलग-अलग काम कर रही है, लेकिन जिन सीटों पर उसके अपने उम्मीदवार नहीं हैं, वहां इस बारे में कितना काम हो पाएगा, इसे लेकर संशय है।

कोविड-19-गुजरात में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को पर्यटकों के लिए फिर से खोला गया

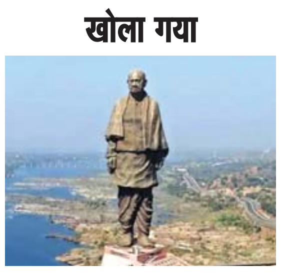

अहमदाबाद। गुजरात के नर्मदा जिले में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को शनिवार को पर्यटकों के लिए फिर से खोल दिया गया है। कोरोना वायरस महामारी के फैलने के बाद इसे बंद कर दिया गया था लेकिन अब इसे, पूरे सुरक्षा उपायों के साथ फिर से खोला गया है। एक सरकारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। महामारी के कारण सरदार वल्लभभाई पटेल की 182 मीटर ऊंची प्रतिमा सात महीनों से आगंतुकों के लिए बंद रही है। विज्ञप्ति के अनुसार प्रतिदिन कम से कम 2,500 पर्यटकों को यहां आने की अनुमति दी जाएगी। प्रवेश के लिए प्रत्येक दिन दो दो घंटे के पांच स्लॉट होंगे और प्रत्येक स्लॉट में केवल 500 आगंतुकों को प्रवेश करने की अनुमति होगी। प्रवेश के लिए टिकट केवल आधिकारिक वेबसाइट पर मिल सकती है। विज्ञप्ति के अनुसार, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के रिवर राफ्टिंग, एकता नर्सरी, कैक्टस गार्डन और बटरफ्लाई गार्डन को भी पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है। इधर, गुजरात में पिछले चौबीस घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 1,161 नए मामले सामने आए जिसके बाद राज्य में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 1,58,635 हो गई। स्वास्थ्य विभाग ने शनिवार को यह जानकारी दी। विभाग की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इस दौरान कोविड-19 से नौ मरीजों की मौत हो गई। इसके साथ ही मृतकों की कुल संख्या 3,629 पर पहुंच गई है। विभाग के अनुसार शुक्रवार को 1,270 मरीज संक्रमण मुक्त हुए। राज्य में अब तक कोविड-19 के 1,40,419 मरीज ठीक हो चुके हैं। गुजरात में अभी 14,587 मरीज उपचाराधीन हैं।

हैदराबाद में बुधवार तक हो सकती है भारी बारिश, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

हैदराबाद। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने हैदराबाद में बुधवार तक के लिए बारिश का अलर्ट जारी किया है और कहा है कि बिजली गिरने और गरज के साथ आंधी-तूफान आने की संभावना है। आपको बता दें कि तेलंगाना में कम से कम 50 लोगों की मौत हो चुकी है। मौसम विभाग ने रविवार को कहा कि हैदराबाद में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। आमतौर पर सोमवार को एक या दो स्थानों पर बादल छाए रहेंगे या गरज के साथ बौछारें पड़ेंगी और मंगलवार को शहर में भारी बारिश देखने को मिलेगी। आमतौर पर बुधवार को एक या दो स्थानों पर बादल छाए रहेंगे या गरज के साथ बौछारें पड़ेंगी और गुरुवार और शुक्रवार को बारिश होने की भविष्यवाणी की गई है। इस सप्ताह की शुरुआत में शहर के कई हिस्सों में भारी बाढ़-बारिश से मची तबाही के बाद शनिवार को

बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। आमतौर पर सोमवार को एक या दो स्थानों पर बादल छाए रहेंगे या गरज के साथ बौछारें पड़ेंगी और मंगलवार को शहर में भारी बारिश देखने को मिलेगी। आमतौर पर बुधवार को एक या दो स्थानों पर बादल छाए रहेंगे या गरज के साथ बौछारें पड़ेंगी और गुरुवार और शुक्रवार को बारिश होने की भविष्यवाणी की गई है।

फिर से महानगर के कई इलाकों में भारी बारिश दर्ज की गई और जलजमाव के कारण यातायात बाधित हो गया। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, शनिवार को सुबह 8.30 बजे से रात 10 बजे तक मेडचल मल्काजगिरी जिले के सिंगापुर टाउनशिप में 157.3 मिमी और शहर के उप्पल के पास बांदलागुड़ा में 153 मिमी बारिश हुई। शहर के कई अन्य इलाकों में भी भारी बारिश हुई। जीएचएमसी के निगरानी एवं आपदा प्रबंधन निदेशक विश्वजीत कामपति के एक ट्वीट के अनुसार ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के आपदा प्रतिक्रिया बल (डीआरएफ) के कर्मी लगातार जलजमाव और बाढ़ मे बचाव कार्य कर रहे हैं। भारी बारिश तथा बाढ़ से सबसे बुरी तरह प्रभावित कुछ पुराने क्षेत्रों को छोड़कर अन्य तथा इसके पड़ोस के कई क्षेत्रों में स्थिति वापस सामान्य होने लगी है। यहां तक कि दूसरे दिन शनिवार को शहर में धूप भी खिली रही। जानकारी के मुताबिक, राहत एवं बचाव दल पुराने क्षेत्रों में सबसे बुरी तरह प्रभावित आवासीय क्षेत्रों से बाढ़ के पानी को बाहर निकालने में लगे हुये हैं, जो भारी बारिश और बाढ़ की वजह से झीलों में तब्दील हो गए थे। गौरतलब है कि तेलंगाना के नगरपालिका एवं शहरी विकास मंत्री केटी रामाराव लगातार प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर अधिकारियों को राहत कार्यों के निदेर्श दे रहे हैं। इसके मद्देनजर बचाव दल जरूरतमंदों को भोजन के पैकेट तथा दवाइयां वितरित कर रहे हैं। राव ने राजेंद्रनगर क्षेत्र में हाल ही में आयी बाढ़ में जान गंवाने वालों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये की अनुग्रह राशि भी दी है।

प्रधानमंत्री मोदी और राहुल गांधी एक ही दिन बिहार में करेंगे चुनाव प्रचार अभियान की शुरूआत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एनडीए उम्मीदवारों के पक्ष में चुनाव प्रचार के लिए 23 को बिहार आ रहे हैं। उसी दिन कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी बिहार में दो सभाएं करेंगे। श्री गांधी चुनावी सभा की शुरुआत हिसुआ से करेंगे। उसी दिन उनकी दूसरी सभा भागलपुर के कहलगांव में होगी।

पटना। बिहार में 23 अक्टूबर को दोनों बड़े गठबंधनों के शीर्ष नेता चुनावी प्रचार की शुरुआत करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एनडीए उम्मीदवारों के पक्ष में चुनाव प्रचार के लिए 23 को बिहार आ रहे हैं। उसी दिन कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी बिहार में दो सभाएं करेंगे। श्री गांधी चुनावी सभा की शुरुआत हिसुआ से करेंगे। उसी दिन उनकी दूसरी सभा भागलपुर के कहलगांव में होगी। पार्टी से मिली जानकारी के अनुसार पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी हिसुआ की सभा में आसपास के विधानसभा क्षेत्रों के महागठबंधन उम्मीदवारों को जिताने की अपील करेंगे। हिसुआ से कांग्रेस की नीतू सिंह और वारिसलीगंज से कांगेस के जिलाध्यक्ष सतीश कुमार ऊर्फ मंटन सिंह चुनाव लड़ रहे हैं। इसके अलावा नवादा से राजद की विभा देवी और गोविंदपुर से मो. कामरान प्रत्याशी हैं। इस सीटों पर पहले चरण में चुनाव होने हैं। राहुल गांधी की दूसरी सभा भागलपुर के कहलगांव में होगी। कहलगांव से कांग्रेस विधायक दल के नेता नेता सदानंद सिंह के पुत्र शुभानंद मुकेश चुनाव मैदान में हैं। राहुल गांधी कहलगांव से भागलपुर के कांग्रेस प्रत्याशी अजीत शर्मा, पीरपैंती से राजद के रामविलास पासवान और नाथनगर से राजद उम्मीदवार अली अशरफ सिद्दिकी के लिए वोट करने की अपील करेंगे। भागलपुर, पीरपैंती और नाथनगर में चुनाव दूसरे चरण में है।

कोविड-19-रामलीला स्थलों पर पसरा सन्नाटा, टीवी पर होगा पिछले साल के आयोजन का प्रसारण

नई दिल्ली। त्यौहारों का समय आ चुका है लेकिन कोरोना के कहर के बीच इस साल बहुत कुछ बदला हुआ है। दिल्ली के तीन बड़े और जाने माने रामलीला कार्यक्रम रद्द होने की वजह से शनिवार को नवरात्र के पहले दिन भी राजधानी में इन कार्यक्रम स्थलों पर सन्नाटा पसरा रहा।

जबकि पिछले वर्षों तक लोग लाल किला लॉन में मेला, झूलों और भोजन का आनंद ले रहे थे।

खाली मैदानों की ओर इशारा करते हुए, संतोष कुमार नाम के एक हॉकर, जो तीन दशकों से क्षेत्र में अपने माल बेच रहे हैं, ने कहा, नवरात्रि समारोह के दौरान, हजारों लोग रामलीला के प्रदर्शन को देखने के लिए आते रहे हैं, जिससे अच्छी आमदनी होती थी। चूंकि इस वर्ष कोविड -19 के कारण उत्सव रद्द कर दिया गया है, हम जो कुछ कमाते थे, उससे आधे से भी कम कमाएंगे। दिल्ली डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (डीडीएमए) ने 11 अक्टूबर को एक आदेश जारी किया था, जिसमें शहर में कोरोना नियमों का पालन करते हुए नवरात्री और दुर्गा पूजा के समारोहों की अनुमति दी गई थी। उपस्थित होने वाले लोगों को सीमित, और मेलों और जुलूसों को प्रतिबंधित किया गया था। दिल्ली में अब तक 327,718 कोविड -19 मामले आए हैं, जिनमें से 298,853 ठीक हो चुके हैं और 5,981 लोगों की मौत हुई है। शनिवार को यहां 22,884 सक्रिय मामले थे। कई प्रमुख समितियों ने कहा कि इस साल कोई रामलीला नहीं होगी। दूसरों ने कहा कि उनके पास मेहमानों की

संख्या सीमित है और वे बुजुर्ग नागरिकों और बच्चों को नहीं आने के लिए कहेंगे। कई जगहों पर प्रतीकात्मक समारोह हुए। लाल किला मैदान में रामलीला का आयोजन करने वाली धर्मिक लीला समिति के महासचिव धीरज धर गुप्ता ने कहा, हम 1923 से रामलीला का आयोजन कर रहे हैं - एकमात्र अपवाद 1965 में भारत-पाक युद्ध के कारण हुआ था। हमने शनिवार को सीमित संख्या में उपस्थित लोगों के साथ एक गणेश पूजा की। गुप्ता ने कहा, वे 18 से 26 अक्टूबर तक रात 8.30 बजे टेलीविजन पर पिछले साल की रामलीला के प्रदर्शन का प्रसारण करेंगे।

गांवों में बहुरेंगे अस्पतालों के दिन, आयुष्मान भारत की तर्ज पर केंद्र सरकार ला रही योजना, 10000 करोड़ होंगे खर्च

नई दिल्ली। आयुष्मान भारत की तर्ज पर केंद्र सरकार ग्रामीण भारत के स्वास्थ्य सेवाओं के ढांचे को खड़ा करने के लिए आयुष्मान सहकार योजना शुरू करने जा रही है। आयुष्मान भारत से गरीबों को पांच लाख का मुफ्त इलाज मिलता है, जबकि आयुष्मान सहकार योजना ग्रामीण भारत में अस्तपाल, नर्सिंग होम, ब्लड बैंक आदि के प्रौद्योगिकी व बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगी। इसके लिए सरकार साढ़ आठ लाख सहाकारी समितियों को कम ब्याज दर पर 10,000 करोड़ रुपये का कर्ज मुहैया कराएगी। इसके अलावा सब्सिडी प्रदान की जाएगी। कृषि मंत्रालय के एक शीर्ष अधिकारियों ने हिन्दुस्तान को बताया कि कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर सोमवार को आयुष्मान सरकार योजना का वेबिनार के जरिए देशव्यापी शुभारंभ कर सकते हैं। इस योजना का बजट

10,000 करोड़ रुपये होगा। उन्होने बताया कि राष्ट्रीय सहाकारी विकास निगम (एनसीडीसी) के माध्यम से सहकारी समितियों को कर्ज मुहैया कराया जाएगा। इनके माध्यम से अस्पतालों, स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा शिक्षा, नर्सिंग शिक्षा, मोबाइल क्लीनिक सेवा, प्रयोगशालाएं, फिजियोथेरेपी सेंटर, पैरामेडिकल शिक्षा क्षेत्र केविकास के लिए बुनियाढी ढांचा खड़ा किया जाएगा। अस्पतालों के निर्माण, आधुनिकीकरण, विस्तार, प्रौद्योगिकी, शिक्षा के बुनियादी ढांचे के नवीनीकरण आदि कार्य किए जाएंगे। धन के अभाव में ग्रामीण लोगों को सस्ती और समग्र स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध नहीं हो पाती हैं। इसके अलावा सहकार समितियां आयुष सुविधाओं को बढ़ावा देना, शिक्षा, सेवा, बीमा आदि गतिविधियों को बढ़ावा देने का काम करेगी। डिजिटल स्वास्थ्य संबंध सूचना एव संचार प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में सहायोग करेगी। अधिकारी ने बताया कि सहकारी समितियों को कर्ज अधिकतम आठ साल के लिए दिया जाएगा। जिन समितियों में महिलाओं की संख्या अधिक होगी उन्हें सस्ती ब्याज दर व अधिक सब्सिडी दी जाएगी।

प्रधानमंत्री ने की थी घोषणा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त 20202 को राष्ट्रय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन शुरू करने की घोषणा की थी। इसका मकसद भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नई क्रांति लाने के साथ प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर उपचार पाने में होने वाली परेशानियों को दूर करना है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

पाक के मन की बात

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने अनुच्छेद 370 की वापसी की मांग करके यही साबित किया कि कांग्रेस या तो आत्मघात पर आमादा है या फिर अलगाववादी तत्वों के हाथों का खिलौना बनने को तैयार है। चिदंबरम ने पांच अगस्त 2019 के पहले की स्थिति बहाल करने की वकालत करके केवल नेशनल कांफ्रेंस, पीडीपी और कश्मीर की जमीनी हकीकत की अनदेखी करने वाले अन्य दलों के दुस्साहस को ही नहीं बढ़ाया, बल्कि पाकिस्तान और शायद चीन के भी मन की बात कह दी। यह एक किस्म की राष्ट्रविरोधी राजनीति के अलावा और कुछ नहीं। यदि कांग्रेस नेतृत्व यह स्पष्ट नहीं करता कि वह चिदंबरम की मांग के साथ है या नहीं तो इससे यही साबित होगा कि वह दो नावों की सवारी करना चाह रहा है या फिर फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती के साथ खड़ा होना पसंद कर रहा है। ध्यान रहे कि फारूक अब्दुल्ला चीन की मदद से अनुच्छेद 370 की वापसी का सपना देख रहे हैं। यह और कुछ नहीं, देश के शत्रुओं को दी जानी वाली शह है। यह शह इस तथ्य से परिचित होने के बाद भी दी जा रही है कि अनुच्छेद 370 और 35-ए भेदभाव, अन्याय और उत्पीड़न के पर्याय थे। ये दोनों अनुच्छेद जम्मू-कश्मीर के वंचित समुदायों का शोषण करने में सहायक बनने का ही काम कर रहे थे। चिदंबरम इससे अनभिज्ञ नहीं हो सकते कि पिछले वर्ष जब अनुच्छेद 370 और 35-ए को हटाने का फैसला किया गया था तो कर्ण सिंह, जनार्दन द्विवेदी, दीपेंदर हुड्डा, मिलिंद देवरा जैसे अनेक कांग्रेसी नेताओं ने गुलाम नबी आजाद के विचारों से असहमति जताई थी, जो केंद्र सरकार के फैसले के खिलाफ बोल रहे थे। कहीं ऐसा तो नहीं कि चिदंबरम ने कांग्रेस नेतृत्व के इशारे पर अनुच्छेद 370 की वापसी की मांग की हो? यह सवाल इसलिए, क्योंकि यह संभव नहीं कि इतने महत्वपूर्ण मसले पर उन्होंने अपने मन से बयान दाग दिया हो। सच्चाई जो भी हो, कांग्रेस अंध मोदी विरोध से बुरी तरह ग्रस्त नजर आ रही है। दलगत राजनीतिक हितों को प्राथमिकता देने के बाद भी उसमें इतनी समझ होनी चाहिए कि क्या देश हित में है और क्या नहीं? क्या कांग्रेस को यह ज्ञात नहीं कि अनुच्छेद 370 ने कश्मीर में अलगाव और आतंक को जन्म देने के अलावा और कुछ नहीं किया। अलगाववादियों और आतंकियों को खुराक देने के साथ पाकिस्तान को कश्मीर में दखल का मौका देने वाले इस अनुच्छेद का समर्थन करके चिदंबरम ने यह भी जाहिर किया कि उन्हें जम्मू संभाग के लोगों की कहीं कोई परवाह नहीं। बेहतर हो कि कोई उन्हें बताए कि केवल घाटी ही जम्मू-कश्मीर नहीं है।

आज के ट्वीट

आजादी

प्रदीप भंडारी अगर एनडीटीवी से होता तो मीडिया की आज़ादी अब तक खतरे में आ गई होती, रिपब्लिक भारत से है इसलिए पत्रकारिता जगत में खामोशी है.!

- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

कोरोना और कोहरे का कहर

शशि शेखर

दिल्ली का आसमान फिर से धुंधला पड़ने लगा है। पिछले महीने तक जो तारे आसमान में चमचमाते दिखते थे, उनकी चमक फीकी पड़ गई है और धूप का आलोक मरता जा रहा है। जो लोग दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के धरती और आकाश की समझ रखते हैं, उनके लिए यह स्थिति चौंकाने वाली है। आमतौर पर दिवाली के आसपास ऐसा होता था। इस समय यह हाल है, तो अगले महीने क्या होगा? उनके मन में 2019 के नवंबर की यादें खौफजदा तौर पर जिंदा हैं। उन दम फुला डालने वाले दिनों में हवा की गुणवत्ता गंभीर स्थिति में पहुंच गई थी और सरकार को ईंट भट्ठों, क्रशर, डीजल जनरेटर, भवन-निर्माण आदि गतिविधियों पर रोक लगाने जैसे कदम उठाने पड़े थे। हालात इस कदर बिगड़ गए थे कि स्कूलों में छुट्टियां घोषित करनी पड़ी थीं। रेलगाड़ियां घंटों देर से आतीं और दिल्ली के आसमान पर मंडरा रहे हवाई जहाजों के रुख दूसरे शहरों की ओर मोड़ने पड़ जाते। हर समय दिल्ली में छाई रहने वाली वह धुंध नवजात और नन्हे शिशुओं के साथ बुजुर्गों के लिए जानलेवा साबित हो गई थी। इस बार तो अक्तूबर के आरंभ से ही दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की हवा खराब होनी शुरू हो चुकी है। पृथ्वी-विज्ञान मंत्रालय का कहना है कि पंजाब, हरियाणा और सीमावर्ती इलाकों में पराली-दहन से ये हालात पैदा हुए हैं। आशंकित लोग सवाल कर रहे हैं कि क्या इससे कोरोना का प्रकोप और बढ़ जाएगा? दुर्भाग्य से उत्तर है- 'हां।'

कुछ शोधकार्य आपसे साझा करता हूं। हॉर्वर्ड यूनिवर्सिटी के शोधार्थियों ने कोरोना वायरस से होने वाली मौतों और हवा में मौजूद खतरनाक पार्टिकुलेट मैटर (पीएम)2.5 के बारे में अध्ययन किया और पाया कि वायु प्रदूषण के कारण अमेरिका में कोविड से होने वाली मौतों में आठ प्रतिशत की वृद्धि हुई। जर्मनी के 'आईजेडए इंस्टीट्यूट ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स' ने अपने एक अध्ययन के आधार पर दावा किया था कि नीदरलैंड में अधिक वायु प्रदूषण और कोविड-19 के तेज प्रसार में संबंध दिखा है। इसके मुताबिक, वायु प्रदूषण के कारण कोरोना से मृत्यु-दर में 21 फीसदी तक की बढ़ोतरी पाई गई। उत्तरी इटली के एक अध्ययन में भी वायु प्रदूषण के कारण कोविड से होने वाली मौतों में गति आने की बात कही गई। हालांकि, डब्ल्यूएचओ ने इन अध्ययनों की प्रक्रिया और इनके डाटा, निष्कर्षों की पड़ताल पर जोर दिया है। बताने की जरूरत नहीं कि इन तीनों देशों में बड़ी संख्या में कोविड से मौतें हुई हैं। अमेरिका में लगभग सवा दो लाख लोग जान गंवा चुके हैं, तो इटली में 36,000 और नीदरलैंड में 6,700 से अधिक लोग मारे गए हैं। भारत में संक्रमितों की संख्या 75 लाख के करीब पहुंच चुकी है और अब तक 1 लाख,13 हजार लोग प्राण गंवा चुके हैं। हमारे यहां स्थिति अब सुधर चली है, मृत्य-दर भी घटकर 1.5 प्रतिशत के पास आ गई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि केंद्र के साथ मिलकर राज्य सरकारों ने कोरोना से जबरदस्त लड़ाई लड़ी है। गुजरे मार्च के आखिरी हफ्ते में जब यह साफ हो गया था कि हिन्दुस्तान पर भी महामारी झपट्टा मार चुकी है, तब हमारे पास न अस्पताल तैयार थे, न लैब और न ही प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी। इसके बावजूद हमारा तंत्र बिना लड़े हार मानने को तैयार न था। आपको मुंबई के उस अस्पताल की तस्वीर शायद आज भी याद हो, जो दर्शाती थी कि कैसे एक कोरोना पीड़ित मरीज मुर्दे के साथ बिस्तर साझा कर रहा है। आज भारत में महामारी का ग्राफ गिर रहा है, पर वायु प्रदूषण के ये आंकड़े चेताते हैं कि महामारी का प्रकोप लौट सकता है। वैसे भी, दुनिया में 70 लाख लोग हर साल वायु प्रदूषण की वजह से दम तोड़ जाते हैं। इतनी बड़ी संख्या की वजह यह है कि हृदय, फेफड़े, कैंसर और श्वास संबंधी रोगों को प्रदूषण कई गुना बढ़ा देता है। पिछले साल जारी हुई 'वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट' के मुताबिक, दुनिया के सर्वाधिक प्रदूषित देशों में हम पांचवें नंबर पर आते हैं। यही नहीं, दुनिया के शीर्षतम प्रदूषित 30 शहरों में से 21 हमारे देश में हैं। सवाल उठता है कि साल-दर-साल यह आपदा प्रबल क्यों होती जा रही है? सुप्रीम कोर्ट के सख्त निर्देशों के बावजूद हमारी हुकूमतें इस मुद्दे पर कितनी गंभीर हैं, यह जानने के लिए हरियाणा और पंजाब का उदाहरण देना चाहूंगा। हर वर्ष घड़ियाली आंसू बहाए जाते हैं कि यहां पराली जलाई जा रही है, जबकि आला अदालत कह चुकी है कि इस पर अंकुश लगाएं, लेकिन केंद्र, सूबाई सरकारों और किसानों के बीच रस्साकशी जारी है। वजह यह है कि इन दो प्रदेशों में फसल की ज्यादातर कटाई मशीन से होती है। ये मशीनें करीब एक फुट ऊपर से फसल काटती हैं। नतीजतन, नीचे का हिस्सा खेत में बचा रह जाता है। किसानों की शिकायत है कि इन्हें जलाने की बजाय काटने में प्रति एकड़ पांच से छह हजार रुपये का खर्च बैठता है। इस समस्या का हल 'पैडी स्ट्रॉ चॉपर'है, पर इसकी कीमत लगभग डेढ़ लाख है। सरकार इस पर भारी सब्सिडी देती है, मगर किसान इसके प्रति उदासीन हैं। राज्य सरकारें कहती हैं कि इस कटाई का खर्च केंद्र सरकार वहन करे और केंद्र घटी दर पर मशीनें मुहैया कराने की बात कह कन्नी काट जाता है।

सवाल उठता है कि हमारे हुक्मरां इस समस्या को सुलझा रहे हैं या उलझा रहे हैं? दरअसल, हमारी हुकूमतें मर्ज का इलाज करने के बजाय मरीज के इलाज में ज्यादा रुचि रखती हैं, इसलिए उनके समाधान भी फौरी होते हैं। मसलन, दिल्ली-एनसीआर में डीजल जनरेटरों पर पाबंदी लगा दी गई है। आने वाले दिनों में कुदरत का कहर और ज्यादा बढ़ा, तो पिछले वर्षों के उपायों की पुनरावृत्ति कर दी जाएगी। हो सकता है, कोरोना की वजह से बंद पड़े स्कूल राजधानी में एक-दो महीने और न खुल सकें, ठप पड़ी उड़ानों को ठप ही रहने दिया जाए और हर उस काम पर बंदिश थोप दी जाए, जिससे धूल या धुआं पैदा होता है। इससे फौरी तौर पर भले ही कुछ लाभ नजर आ जाए, मगर मूल समस्या तो जस की तस बनी रहेगी। मौजूदा वक्त में, जब महीनों से बाधित तमाम गतिविधियों को अनलॉक किया जा रहा है, तब यह स्थिति अर्थव्यवस्था को एक और करारा आघात देगी। हिन्दुस्तानियों की यह आदत है और अदा भी कि हम निराशा के घोर अंधेरे में भी उम्मीद का उजास ढूंढ़ निकालते हैं, इसलिए चलते-चलते आस की एक बात। सर्वोच्च न्यायालय ने न्यायमूर्ति (अवकाश प्राप्त) मदन भीमराव लोकुर को पराली संबंधी कामकाज की निगहबानी का काम सौंपा है। ऐसे तमाम उदाहरण हैं, जब लापरवाह राजनेता अदालत के कोड़े के भय से चौकस होते नजर आए हैं। क्यों न इस मामले में भी हम बेहतरी की उम्मीद करें?

ज्ञान गंगा

तनाव

सद्गुरु

हम जो भी करते हैं, वह किसी न किसी रूप में, दूसरे इंसान के जीवन में योगदान दे रहा है। अगर आप यह देखें कि कैसे आप सचेतन तरीके से अपने काम के जरिए सबके जीवन में कुछ योगदान दे सकें, तो आपका जीवन पूरी तरह से बदल जाएगा। योगदान देने का मतलब यह नहीं होगा कि आपको अपने कारोबार से मुनाफा नहीं होगा। अगर आप लगातार यह देखें कि आप अपने आसपास के लोगों के लिए सबसे बेहतर क्या कर सकते हैं तो लाभ अपने-आप होगा - आपको इसकी चिंता नहीं करनी होगी। योगदान देने से मतलब धन या किसी तरह का लाभ देना नहीं है-यह आपके जीवन की बुनियादी इच्छाशक्ति (संकल्प) है। अगर आप अपने जीवन को ऐसे सहयोग में बदल देंगे, तो आपका जीवन सही मायनों में सार्थक होगा क्योंकि आप वह रच रहे हैं, जिसकी आपको परवाह है। अगर आप ऐसा कर रहे हैं तो आपके लिए हर दिन अपने काम पर जाना आनंददायक होगा। ऐसे में आप कभी तनाव की वजह से नहीं मरेंगे, मेरा यकीन करें। हो सकता है कि आप काम से थककर मार जाएं, लेकिन आप तनाव से कभी नहीं मरेंगे। यह बहुत अच्छी बात है। जिस क्षण में आप देखते हैं कि दूसरों के जीवन में कैसे योगदान करना है, उसी क्षण से आपके भीतर एक तरह का सुखद अनुभव पैदा होगा। आपका मन और शरीर बेहतर तरीके से काम करने लगेंगे। इसे साबित करने के लिए हमारे पास अच्छे-खासे वैज्ञानिक और मेडिकल प्रमाण भी मौजूद हैं। अगर आपका मन और शरीर सही तरह से काम नहीं कर रहा, तो क्या आपको लगता है कि इस तरह सफलता हाथ आएगी? जब आप बेहतर नतीजे पाने के लिए अपने हुनर को पूरी तरह से निखार देते हैं, तब सफलता आपके हाथ आती है। अगर आप ऐसा चाहते हैं तो आपके लिए सुखद अनुभव में रहना आवश्यक है। आपके साथ ऐसा तभी संभव है जब आप हमेशा अपने आसपास के लोगों के लिए कोई न कोई योगदान करेंगे। अगर आप सही मायनों में परमानंद को महसूस करते तो क्या आप जीवन के उद्देश्य के बारे में बात करते। आप यह सवाल इसलिए कर रहे हैं क्योंकि कहीं न कहीं आपके जीवन का अनुभव बहुत अच्छा नहीं है। अधिकतर इंसान विचारों, भावों, मतों तथा पूर्वाग्रहों का पुलिंदा बन कर रह गए हैं।

आज का राशिफल

मेष	शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ के योग हैं।
वृषभ	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। वाद-विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। जारी प्रयास सार्थन होगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
मिथुन	उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है।
कर्क	पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है।
सिंह	व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मैत्री संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। पड़ोसी या अधीनस्थ कर्मचारी से विवाद हो सकता है। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
कन्या	पिता का भरपूर सहयोग मिलेगा और उससे प्रगति भी होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी में सौम्यता बनाये रखे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।
तुला	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। मकान या सम्पत्ति के मामले में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।
वृश्चिक	राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शासन सत्ता या घर के मुखिया के कारण तनाव मिल सकता है। देशाटन या व्यावसायिक यात्रा फलीभूत होगी। निजी संबंध मधुर होंगे। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी।
धनु	शासन सत्ता का लाभ मिलेगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। आर्थिक मामलों में सुधार होगा। षड्यंत्र की आशंका है। कोई सुखद समाचार मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
मकर	शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। स्थानान्तरण या अन्य व्यावसायिक लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
कुम्भ	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग की संभावना है। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।
मीन	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें, कर्ज की स्थिति आ सकती है।

मसीहा क्या होता है, हमसे पूछिए

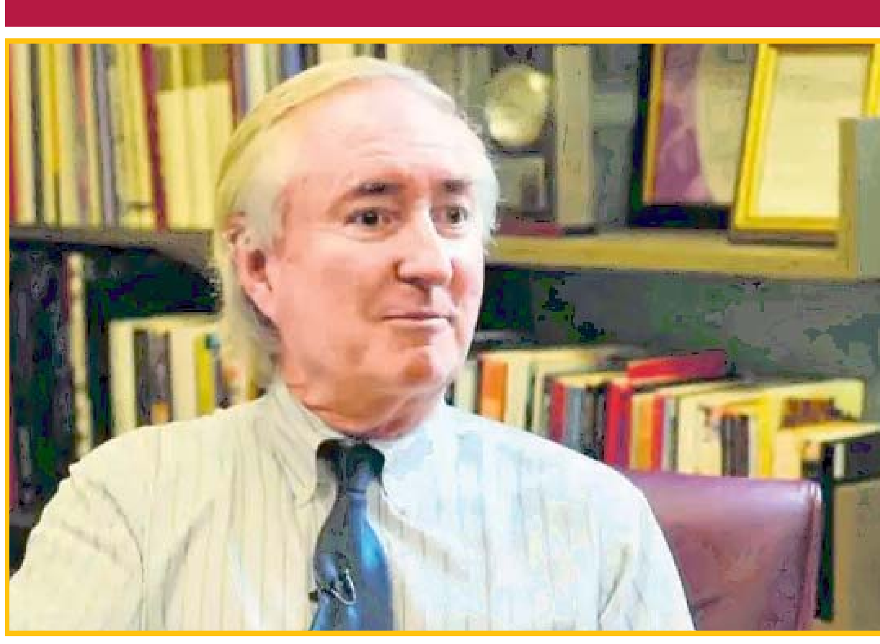

जेम्स ओखानो अमेरिकी डॉक्टर

क्या आप जानते हैं कि अमेरिका में ऐसे कितने लोग हैं, जिनके पास कोई घर नहीं? तीसरी दुनिया के इस 'स्वप्न-देश' में करीब छह लाख लोग फुटपाथों पर, पुलों के नीचे, पार्कों में या फिर किसी शेल्टर होम में अपनी जिंदगी बसर करते हैं। इनमें हर उम्र के बेघर और लावारिस शामिल हैं। वहां भी 'सभ्य' लोगों की निगाहें इनकी तरफ जुगुप्सा भाव से ही उठती हैं। पर एक शख्स है, जिसकी आंखों से ये लोग अपने लिए असीम करुणा और बेपनाह अपनाइयत पा लेते हैं। उनका नाम है डॉक्टर जेम्स ओखानो। सन 1948 में जन्मे ओखानो 1982 में हॉर्वर्ड मेडिकल स्कूल से ग्रेजुएशन करने के बाद रेजीडेंसी करने बोस्टन के मैसाचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल आ गए थे। इंटरनल मेडिसिन में रेजीडेंसी करने के दौरान उनके भीतर ऑन्कोलॉजिस्ट बनने की इच्छा जन्म ले चुकी थी। वह इस क्षेत्र की एक प्रतिष्ठित फेलोशिप हासिल करने में जुटे थे। लेकिन उन्हीं दिनों बेघर लोगों के लिए स्वास्थ्य सिस्टम को दुरुस्त करने के वास्ते बोस्टन को एक बड़ा अनुदान मिला। पूरे अमेरिका में सिर्फ 18 शहरों को इस अनुदान के लिए चुना गया था। ओखानो के हॉस्पिटल चीफ उनके धैर्य और चिकित्सकीय विलक्षणता के पहले ही कायल हो चुके थे। उन्होंने ओखानो से अनुरोध किया, बोस्टन के बेसहारा गरीबों के इस कार्यक्रम की रहनुमाई आप ही करेंगे। डॉक्टर ओखानो से यह जिम्मेदारी सिर्फ एक साल संभालने की गुजारिश की गई थी। एक युवा डॉक्टर के लिए फैसला करना आसान न था। तब तो और, जब उसके सपने कुछ और ही थे। फिर सात साल की मेडिकल की पढ़ाई के बाद एक शानदार करियर उनकी अगवानी करने को तैयार था! लेकिन मानवता की खिदमत के जो नैतिक संस्कार स्कूली शिक्षा के दौरान उनमें बोए गए थे, और मेडिकल की पढ़ाई के दौरान जिसकी जड़ों ने मजबूती पाई थीं, वे संस्कार अचानक उनके भीतर लहलहा उठे। उन्होंने अपने प्रमुख को अपनी रजामंदी दे दी और इसके साथ ही 1985 में 'बोस्टन हेल्थ केयर फॉर द होमलेस प्रोगाम'वजूद में आ गया। काम बेहद चुनौती भरा था। डॉक्टर ओखानो को उन लोगों का इलाज करना था, जो अपनी जिंदगी से बेजार थे। उपेक्षा, हिकारत और अभाव उनके जिस्म और रूह के घावों को कभी ठीक ही नहीं होने देते। उनके लिए कोई दरवाजा नहीं खुलता था, तो भला वे अस्पताल क्या जाते। डॉक्टर ओखानो ने खुद उनके पास जाने का फैसला किया- फुटपाथ पर, पार्क में, पुलों के नीचे या फिर शेल्टर होम में। और वाकई दो दिन बाद वह पाइन स्ट्रीट इन पर थे। ओखानो 'स्ट्रीट डॉक्टर'बन गए। खास मरीजों के खास डॉक्टर! आम तौर पर किसी सामान्य रोगी के परीक्षण में एक डॉक्टर को 15 से 20 मिनट लगता है। मगर असाधारण स्थितियों में जी रहे ये लोग सामान्य मरीज कहां थे। ओखानो के लिए पहली बड़ी चुनौती तो यही थी कि वह उनके साथ संवाद कैसे कायम करें? ये 15 मिनट में अपना संक्षिप्त इतिहास, तकलीफ बताने वाले रोगी नहीं थे। उनकी पीड़ा के किसी सिरे को पकड़ने में ओखानो को कई-कई दिन लग जाते, क्योंकि इन लोगों को खुलने में काफी समय लगता था। पर ओखानो के नेह भरे स्पर्श ने जादू सा असर किया। सड़कों पर लेटे बीमारों को यह एहसास होने लगा कि कोई है, जिसे हमारी हालत से कुछ फर्क पड़ता है। ओखानो ने सड़कों, पार्कों, फुटपाथों पर ही नब्ज टटोलनी शुरू कर दी। वह हरेक बीमार की हथेली पर दवा के साथ हिदायत से अधिक आदर और भरोसा रखकर आगे बढ़ते थे। उनका उपचार कितना असरदार साबित हुआ, इसकी मिसाल 62 साल के जो मीयूज हैं। जो की शराब की लत उस चरम स्थिति में पहुंच गई थी, जहां से वापसी ओखानो को भी मुश्किल लगी थी। फिर जो हेपेटाइटिस-सी के गंभीर मरीज थे। मगर ओखानो ने उम्मीद नहीं छोड़ी। वह जो को समझा-बुझाकर शेल्टर होम में ले गए, उन्हें कई दिनों तक हॉस्पिटल के आपातकालीन वार्ड में रखा गया, करीब 18 महीनों तक उनका इलाज हुआ। जो अब पूरी तरह बदल गए हैं। उन्हें शराब छोड़े लगभग नौ साल हो गए। उनके हेपेटाइटिस-सी का इलाज भी पूरा हो चुका है। जो के शब्द ओखानो के लिए सबसे बड़ा पुरस्कार हैं- 'मुझे बिल्कुल उम्मीद न थी कि मैं इतना जी पाऊंगा।... मसीहा कैसा होता है, मैं बताता हूं आपको। वह हमारे पास है।' साढ़े तीन दशक पहले जो रास्ता डॉक्टर जेम्स ओखानो ने चुना था, वह कितना मानवीय और कामयाब है, इसका अंदाजा इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि आज सालाना 13,000 बेघर लोगों का इलाज 'बोस्टन हेल्थ केयर फॉर द होमलेस प्रोगाम' से जुड़े दो अस्पतालों में होता है। अब तो दर्जनों समर्पित मनोचिकित्सकों, डॉक्टरों और नर्सों की बड़ी टीम है, जिन्हें 'स्ट्रीट डॉक्टर्स' कहा जाता है। कई सारे मानव-सेवा सम्मानों से नवाजे जा चुके ओखानो का कहना है, 'बेघरों को घर दिलाना भले हमारे बस में नहीं, मगर इनकी शारीरिक-मानसिक तकलीफें हम जरूर दूर कर सकते हैं।'

प्रस्तुति - चंद्रकांत सिंह

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रधानमंत्री जन-धन योजना के खाताधारकों में 55 प्रतिशत महिलाएं

नयी दिल्ली, प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) के तहत आधे से ज्यादा यानी लगभग 55 प्रतिशत खाताधारक महिलाएं हैं। सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत मांगी गई जानकारी से यह आंकड़ा मिला है। हालांकि, महिलाओं और पुरुषों के खातों में जमा को लेकर कोई आंकड़ा नहीं दिया गया है। मध्यप्रदेश के सूचना का आधिकार लगाने वाले कार्यकर्ता चंद्र शेखर गौड़ को सरकार की ओर से दिए गए जवाब में कहा गया है कि नौ सितंबर, 2020 तक पीएमजेडीवाई के तहत कुल 40.63 करोड़ खाते थे। इनमें से 22.44 करोड़ खाते महिलाओं के और 18.19 करोड़ खाते पुरुषों के थे। वित्त मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार चालू वित्त वर्ष में सितंबर की शुरुआत तक इन पीएमजेडीवाई खातों में जमाराशि 8.5 प्रतिशत बढ़कर करीब 1.30 लाख करोड़ पर पहुंच गई। सूचना में कहा गया हे कि पीएमजेडीवाई खातों में एक अप्रैल, 2020 तक कुल जमा 1,19,680.86 करोड़ रुपये थी, जो नौ सितंबर, 2020 तक 8.5 प्रतिशत बढ़कर 1,29,811.06 करोड़ रुपये हो गई। वित्त मंत्रालय ने हालांकि कहा है कि महिला और पुरुष खाताधारकों के खातों में जमा का अलग ब्योरा नहीं रखा गया है। पीएमजेडीवाई खातों में शून्य बैंलेस या शेष संबंधी सवाल पर वित्त मंत्रालय ने बताया कि नौ सितंबर, 2020 तक 3.01 करोड़ खाते ऐसे थे, जिनमें एक भी पैसा नहीं था। पीजेडीवाई की वेबसाइट पर सात अक्टूबर, 2020 के आंकड़ों के अनुमसार कुल खाताधारकों की संख्या 40.98 करोड़ है। इन खातों में जमा राशि 1,30,360.53 करोड़ रुपये है। राष्ट्रीय वित्तीय समावेशन मिशन के तहत प्रधानमंत्री जन-धन योजना की शुरुआत अगस्त, 2014 में हुई थी।

'डिजिटल' के दौर में चेक से खुदरा भुगतान घटकर 2.96% पर आया: RBI

मुंबई: डिजिटल भुगतान और समाधान प्रणाली को तेजी से आगे बढ़ाने के सकारात्मक नतीजे सामने आने लगे है। भारतीय रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहन की वजह से बीते वित्त वर्ष 2019-20 में चेक के जरिए खुदरा भुगतान का आंकड़ा काफी नीचे आ गया है। आंकड़ों के अनुसार, बीते वित्त वर्ष में मात्रा के हिसाब से कुल खुद भुगतान में चेक समाशोधन (क्लियरिंग) का हिस्सा घटकर मात्र 2.96 प्रतिशत रह गया। हालांकि, मूल्य के हिसाब से यह 20.08 प्रतिशत रहा। वित्त वर्ष 2015-16 में नोटबंदी के बाद केंद्रीय बैंक ने डिजिटल भुगतान को काफी तेजी से आगे बढ़ाना शुरू किया था। उस समय खुदरा भुगतान में मात्रा के हिसाब से चेक का हिस्सा 15.81 प्रतिशत और मूल्य के हिसाब से 46.08 प्रतिशत था। डिजिटलीकरण के प्रयास कितने सफल रहे हैं, इसका अनुमान ताजा आंकड़ों से लगता है। 2015-16 में चेक के जरिए भुगतान का मात्रा के हिसाब से 15.81 प्रतिशत और मूल्य के हिसाब से 46.08 प्रतिशत हिस्सा था। वित्त वर्ष 2016-17 में यह आंकड़ा घटकर क्रमश- 11.18 प्रतिशत और 36.79 प्रतिशत पर आ गया। रिजर्व बैंक के अनुसार अगले साल यह आंकड़ा और घटकर मूल्य के हिसाब से 7.49 प्रतिशत और मात्रा के हिसाब से 28.78 प्रतिशत पर आ गया। वहीं 2018-19 में यह और घटकर क्रमश 4.60 प्रतिशत और 22.65 प्रतिशत पर आ गया। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2015-16 से 2019-20 के दौरान मात्रा के हिसाब से डिजिटल भुगतान सालाना आधार पर 55.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 593.61 करोड़ से 3,434.56 करोड़ पर पहुंच गया। वहीं मूल्य के हिसाब से यह 920.38 लाख करोड़ रुपए से 1,623.05 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इसमें सालाना आधार पर 15.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। वित्त वर्ष 2016-17 में डिजिटल भुगतन 593.61 करोड़ से 969.12 करोड़ पर पहुंच गया। मूल्य के हिसाब से यह इस दौरान 1,120.99 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इसके बाद 2017-18 में यह मात्रा के हिसाब से 1,459.01 करोड़ पर और मूल्य हिसाब से 1,369.86 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। बाद में इसमें और तेज वृद्धि हुई और 2018-19 में यह मात्रा के हिसाब से 2,343.40 करोड़ और मात्रा के हिसाब से 1,638.52 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। कोविड-19 महामारी की वजह से लागू लॉकडाउन के चलते मात्रा के हिसाब से आगे डिजिटल भुगतान का आंकड़ा कई गुना बढ़ सकता है। हालांकि, इस बड़े संकट की वजह से लोगों के समक्ष आई दिक्कतों के चलते मूल्य के हिसाब से डिजिटल भुगतान का आंकड़ा नीचे आ सकता है।

नजर आ रहा है सुधार, 'मेक इन इंडिया' के लिए निवेश जारी रहेगा: मित्सुबिशी इलेक्ट्रिक

नयी दिल्ली, मित्सुबिशी इलेक्ट्रिक इंडिया के एक शीर्ष अधिकारी के मुताबिक भारतीय बाजार में सुधार ''दिखने लगा'' है और आईएमएफ की एक हालिया रिपोर्ट में अनुमान जताया गया है कि वित्त वर्ष 2021 में वृद्धि दर 8.8 प्रतिशत रहेगी, जो यहां निवेश के लिए प्रेरणादायी है। मित्सुबिशी इलेक्ट्रिक इंडिया एयर कंडीशनर, फैक्ट्री ऑटोमेशन, सेमीकंडक्टर और उपकरण से लेकर परिवहन प्रणाली तक विभिन्न खंडों में काम करती है।कंपनी ने कहा है कि वह भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने में पूरी मदद करेगी। मित्सुबिशी इलेक्ट्रिक इंडिया के मुख्य रणनीति अधिकारी राजीव शर्मा ने पीटीआई-भाषा को बताया, ''इस साल बिक्री में 6-7 प्रतिशत की गिरावट के बाद इस क्षेत्र में मांग और आपूर्ति संबंधी कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन सौभाग्य से त्योहारी बिक्री के कारण सुधार दिख रहा है।'' उन्होंने कहा कि दूसरे देशों की तरह भारत भी प्रभावित हुआ है और नए हालात में कारोबार अभी भी जारी है। हालांकि, शर्मा ने कहा, ''आईएमएफ के अनुसार, हालांकि देश महामारी से गंभीर रूप से प्रभावित हुआ है, लेकिन 2021 में इसके 8.8 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि के साथ वापसी करने की संभावना है, जो सभी के लिए प्रेरणा है।'' उन्होंने कहा कि कंपनी को उम्मीद है कि उपकरण बाजार पूरी तरह पहले की स्थिति में आ जाएगा और तीन महीनों में इसके सामान्य स्थिति में आने की उम्मीद है, हालांकि कोविड-19 के चलते एसी उद्योग बुरी तरह प्रभावित हुआ है। देश को आत्मनिर्भर और वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने के भारत सरकार के प्रयास पर शर्मा ने कहा कि मित्सुबिशी इलेक्ट्रिक को बढ़ते भारतीय बाजार का हिस्सा होने पर गर्व है। उन्होंने कहा कि कंपनी भारतीय ग्राहकों की मांग का बारीकी से विश्लेषण कर रही है और निकट भविष्य में विस्तार-आधारित निवेश की योजना बना रही है।

अब एटीएम से 5,000 से ज्यादा रुपए निकालने पर लगेगा शुल्क! आरबीआई कर सकता है बदलाव

(एजेंसी):

आने वाले दिनों में एटीएम से पांच हजार रुपए से ज्यादा की राशि निकालने पर आपको अतिरिक्त शुल्क देना पड़ सकता है। ये आपके मुफ्त पांच ट्रांजैक्शन में शामिल नहीं होगा, इसके लिए आपको अलग से राशि का भुगतान करना होगा। यह तभी लागू होगा जब आप एटीएम से पांच हजार से ज्यादा की राशि निकालेंगे। एक बार में पांच हजार से ज्यादा की राशि निकालने पर किसी ग्राहक को 24 रुपए तक देने पड़ सकते हैं। मौजूदा समय में एटीएम से पांच मुफ्त ट्रांजैक्शन की जा सकती है, इसके बाद अगर उसी महीने में और ट्रांजैक्शन की जा रही हैं तो छठे ट्रांजैक्शन पर 20 रुपए लगते हैं। दरअसल, भारतीय रिजर्व बैंक की एटीएम शुल्क की समीक्षा के लिए गठित की गई समिति ने अपनी सिफारिशें सौंप दी हैं। इसके आधार पर बैंक आठ साल बाद एटीएम शुल्क में बदलाव कर सकते हैं। मध्यप्रदेश के एसएलबीसी समन्वयक एसडी माहुरकर के मुताबिक समिति ने दस लाख से कम आबादी वाले शहरों में एटीएम से लेन-देन बढ़ाने पर जोर दिया है। यहां ज्यादातर लोग छोटी-छोटी राशि निकालते हैं, इसलिए समिति ने छोटे ट्रांजैक्शन को ही फ्री ट्रांजैक्शन में रखा है। छोटे शहरों में ग्राहकों को दूसरे बैंकों के एटीएम पर हर महीने छह बार पैसा निकालने की छूट मिलेगी। अभी छोटे शहरों में केवल पांच बार ही पैसा निकाला जा सकता है। मुंबई, दिल्ली और बंगलूरू जैसे महानगरों में ग्राहकों को एक महीने में एटीएम से तीन बार पैसा निकालने की छूट है, इसके बाद

चौथी बार पैसा निकालने पर अतिरिक्त शुल्क लगता है।

'फेस्टिवल सेल' के पहले 48 घंटों में 1.1 लाख विक्रेताओं को मिले ऑर्डर : अमेजन

नई दिल्ली: ई-कॉमर्स क्षेत्र की प्रमुख कंपनी अमेजन इंडिया की 'ग्रेट इंडियन फेस्टिवल सेल' की शुरुआत काफी अच्छी रही है। कंपनी ने कहा कि इस सेल के शुरुआती 48 घंटों में उसके मंच पर 1.1 लाख विक्रेताओं को ऑर्डर मिले हैं। खास बात यह है कि ज्यादातर ऑर्डर देश के छोटे शहरों से आए हैं। अमेजन की 'ग्रेट इंडियन फेस्टिवल सेल' 17 अक्टूबर को शुरू हुई है। यह करीब एक माह यानी त्योहारी सीजन तक चलेगी। अमेजन प्राइम के सदस्यों के लिए सेल 16 अक्टूबर से शुरू हुई।

ये 48 घंटे सबसे बड़े रहे

अमेजन इंडिया के उपाध्यक्ष मनीष तिवारी ने कहा, 'अमेजन के सात साल के इतिहास में ये 48 घंटे सबसे बड़े रहे हैं। हमने अमेजन के विक्रेताओं के लिए बड़ी तैयारी की है। इस दौरान करीब 1.1 लाख विक्रेताओं को ऑर्डर मिले हैं। इनमें से 66 प्रतिशत ऑर्डर छोटे शहरों से आए हैं।' उन्होंने बताया कि अमेजन के मंच पर 6.5 लाख विक्रेता है। मंच पर नए ग्राहकों की संख्या में जोरदार बढ़ोतरी हुई है। इन नए ग्राहकों में से 91 प्रतिशत महानगरों और शीर्ष 40 शहरों से अलग छोटे शहरों-कस्बों से आए हैं। उन्होंने बताया कि करीब 66 प्रतिशत नए प्राइम साइन-अप्स भी छोटे शहरों मसलन अरुणाचल प्रदेश के तवांग और चांगलांग, मोकोकचुंग (नगालैंड), बरन (राजस्थान), पुदुकोट्टई (तमिलनाडु), ऊना (हिमाचल प्रदेश) और जौनपुर (उत्तर प्रदेश) से हुए हैं। अमेजन के मंच पर कुछ ही वैसा ही रुख देखने को मिला है जैसा फ्लिपकार्ट पर देखने को मिला था। वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट की 'बिलियन डेज' सेल 16 अक्टूबर से शुरू हुई है। फ्लिपकार्ट ने कहा कि पहले दिन उसके मंच पर खरीदारी करने वाले करीब 50 प्रतिशत नए ग्राहक तीसरे श्रेणी के शहरों से थे। इसी तरह एक अन्य ई-कॉमर्स कंपनी स्नैपडील ने कहा है कि उसकी सेल के पहले दिन 16 अक्टूबर को 30 प्रतिशत ऑर्डर नए ग्राहकों से मिले। इनमें से 90 प्रतिशत ऑर्डर दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों से आए।

फिर से उड़ान भरेंगे जेट एयरवेज के विमान, जानें एयरलाइन का अब नया मालिक कौन?

(एजेंसी):

लंबे समय से वित्तीय संकट की वजह से बंद पड़े घरेलू एयरलाइंस जेट एयरवेज को लेकर अच्छी खबर आ रही है। दिवालिया हो चुकी प्राइवेट एयरलाइंस जेट एयरवेज के विमान एक बार फिर से उड़ान भरेंगे। जेट एयरवेज ने कहा कि मुरारी लाल जालान और फ्लोरियन फ्रिट्च की ओर से प्रस्तुत संकल्प योजना ने एयरलाइन का अधिग्रहण करने के लिए बोली जीत ली है। IANS की खबर के मुताबिक, यह अनाउंसमेंट जेट एयरवेज के रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल की तरफ से की गई है, जो एक रेगुलेटरी फाइलिंग के जरिए से दिवाला और दिवालियापन कानून (IBC) प्रक्रिया के तहत है। करीब डेढ़ सालों से जेट एयरवेज के विमान पार्किंग में ही खड़े हैं, क्योंकि कंपनी पर करीब 10 हजार करोड़ रुपए का कर्ज है, जो उसने नहीं चुकाया है।

ई-वोटिंग 17 अक्टूबर 2020 को पूरी हो गई

जेट एयरवेज के रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल आशीष छावछरिया ने कहा कि लेनदारों की समिति ने दो शॉर्टलिस्ट किए गए बोली लगाने वालों की तरफ से प्रस्तुत आखिरी प्रस्ताव योजनाओं पर ई-वोटिंग का निष्कर्ष निकाला है। स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा गया है कि ई-वोटिंग 17 अक्टूबर 2020 को पूरी हो गई है और मुरारी लाल जालान और फ्लोरियन फिट्च की तरफ से प्रस्तुत संकल्प योजना को नियम के मुताबिक मंजूरी दे दी गई है।

कमेटी ऑफ क्रेडिटर्स की 17वीं मीटिंग

खबर के मुताबिक, इसमें कहा गया है कि रेज्योलूशन प्रोफेशनल्स अब एनसीएलटी (NCLT) के मुताबिक कोड 30 (6) के तहत एप्लिकेशन फाइल कर रहे हैं।

अगर जरूरत पड़ी तो यह मेंबर्स को भी दिया जाएगा। जेट एयरवेज की कमेटी ऑफ क्रेडिटर्स (सीओसी) की 17वीं मीटिंग 3 अक्टूबर को हुई थी और दो रिजॉल्यूशन एप्लीकेंट की तरफ से प्रस्तुत आखिरी प्रपोजल स्कीम पर चर्चा हुई थी।

इन लोगों ने भी लगाई थी बोली

जेट एयरवेज को खरीदने के लिए कॉलराक कैपिटल के लीडरशिप वाले कंसोर्टियम के अलावा हरियाणा की फलाइट सिमुलेशन टेक्निक सेंटर और अबू धाबी का इम्पीरियल कैपिटल इन्वेस्टमेंट एलएलसी वाले कंसोर्टियम ने भी बोली लगाई थी। मुरारी लाल जालान संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की एंटरप्रेन्योर हैं। जालान एमजे डेवलपर्स कंपनी के मालिक हैं। इनकी रीयल एस्टेट, माइनिंग, ट्रेडिंग, कंस्ट्रक्शन, एफएमसीजी, ट्रेवल एंड टूरिज्म और इंडस्ट्रियल वर्क्स जैसे सेक्टर्स में रुचि है।

सरकारी कर्मचारियों के लिए मारुति का बंपर ऑफर, मिल रहा है स्पेशल डिस्काउंट

(एजेंसी):

देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) सरकारी कर्मचारियों के लिए विशेष पेशकश लेकर आई है। इसके तहत सरकारी कर्मचारियों को त्योहारी सीजन के दौरान विभिन्न मॉडलों की खरीद पर 11,000 रुपए तक का लाभ मिलेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल में सरकारी कर्मचारियों को अवकाश यात्रा रियायत (एलटीसी) के एवज में नकद वाउचर देने की घोषणा की है। कंपनी का मानना है कि सरकार की इस घोषणा के बाद उसकी विशेष पेशकश से मांग को और प्रोत्साहन देने में मदद मिलेगी। कंपनी ने रविवार को कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों, पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों सहित केंद्रीय और राज्य सरकारों के विभागों के कर्मचारी मारुति सुजुकी का नया वाहन खरीदने पर इस पेशकश का लाभ ले सकेंगे। इस पेशकश के तहत विभिन्न मॉडलों पर अलग-अलग छूट दी जाएगी। मारुति सुजुकी के कार्यकारी निदेशक (विपणन एवं बिक्री) शशांक श्रीवास्तव ने कहा, ''सरकार ने कोविड-19 महामारी के दौरान उपभोक्ता खर्च बढ़ाने के लिए कई ठोस उपाय किए हैं। हमारा भी कर्तव्य बनता है कि हम अर्थव्यवस्था को समर्थन दें और सकारात्मक धारणा को आगे बढ़ाएं।'' श्रीवास्तव ने कहा, ''विभिन्न केंद्रीय और राज्य सरकारों के विभागों में सरकारी कर्मचारियों की संख्या एक करोड़ से अधिक है। मारुति सुजुकी के लिए यह उपभोक्ताओं का सबसे बड़ा वर्ग है। इसी के मद्देनजर हमने सरकारी कर्मचारियों के लिए विशेष पैकेज की घोषणा की है। इससे वे एलटीसी नकद वाउचर योजना के लाभ के अतिरिक्त अपनी पसंद की कार खरीद सकेंगे और छूट पा सकेंगे।'' कंपनी ने कहा कि हालिया घोषित एलटीसी नकद वाउचर योजना से करीब 45 लाख केंद्रीय और रक्षा कर्मचारियों को फायदा होगा। इससे 31 मार्च, 2021 तक 28,000 करोड़ रुपए की अतिरिक्त उपभोक्ता मांग पैदा होगा। मारुति ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों के लिए यह योजना एरिना और नेक्सा श्रृंखला द्वारा बेचे जाने वाले सभी यात्री वाहनों आल्टो, सेलेरियो, एस-प्रेसो, वैगन-आर, ईको, स्विफ्ट डिजायर, इग्निस, बलेनो, विटारा ब्रेजा, एर्टिगा, एक्सएल6, सियाज और एस-क्रॉस पर लागू होगी।

MSME मंत्रालय ने किया अलर्ट, यह संगठन गलत तरीके से कर रहा नाम का इस्तेमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सूक्ष्म, लघु एवं मंझोले उद्योग मंत्रालय (Ministry of MSME) ने एमएसएमई निर्यात संवर्धन परिषद को लेकर चेतावनी जारी किया है। चेतावनी में MSME मंत्रालय ने कहा है कि लोग इस संगठन की गलत गतिविधियों से सतर्क रहें। मंत्रालय ने संगठन को लेकर स्पष्टीकरण भी जारी किया है कि MSME निर्यात संवर्धन परिषद का MSME मंत्रालय से कोई ताल्लुक नहीं है। दरअसल यह संगठन खुद को मंत्रालय का हिस्सा बताकर लोगों को झांसे में ले रहा है। इस संगठन ने निदेशक पद के लिए नियुक्ति पत्र से जुड़े कुछ मैसेज सोशल मीडिया पर अपलोड किए हैं।

लोग इन गलत सूचनाओं के बहकावे में न आएं

एमएसएमई मंत्रालय ने कहा कि एमएसएमई निर्यात संवर्धन परिषद द्वारा 'निदेशक' के पद के लिए नियुक्ति पत्र जारी करने के संबंध में कुछ संदेश सोशल मीडिया पर डाले जा रहे हैं। यह संगठन एमएसएमई मंत्रालय के नाम का उपयोग कर रहा है। स्पष्ट किया गया है कि संगठन को भारत सरकार की ओर से किसी भी तरह की न्युक्ति करने के लिए अधिकृत नहीं किया गया है। ऐसे में लोगों को अलर्ट किया जाता है कि लोग इन गलत सूचनाओं के बहकावे में न आएं।

एमएसएमई मंत्रालय ने कहा, संगठन से कोई संबंध नहीं

एमएसएमई एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ने अपनी वेबसाइट पर साफ किया हैकि यह एक प्राइवेट कंपनी है और इसका भारत सरकार के किसी भी विभाग से कोई भी संबंध नहीं है। इसके साथ मंत्रालय की ओर से स्पष्ट किया गया है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए सरकार कृषि क्षेत्र के विकास के साथ ही गांव में उद्योगों को बढ़ावा देने में जुट गई है। ग्रामोद्योग विकास योजना (GVY) के तहत एमएसएमई मंत्रलय की ओर से गांवों में अगरबत्ती निर्माण, मधुमक्खी पालन और मिट्टी के बर्तन बनाने के लिए नई योजना की शुरुआत की गई है।

हवाई यात्रियों के लिए बड़ी खबर, अब एयरपोर्ट पर चेक-इन के लिए देना होगा चार्ज

(एजेंसी):

देश की सबसे बड़ी डोमेस्टिक एयरलाइन इंडिगो ने यात्रियों से हवाई अड्डे पर चेक इन कराने के लिए शुल्क लेना शुरू कर दिया है। इंडिगो की ओर से जारी हुए बयान के मुताबिक जो यात्री हवाई हड्डे के काउंटर से चेक इन करेंगे उन्हें इसके लिए 100 रुपए का शुल्क देना होगा। आपको बता दें विमान कोविड-19 की वजह से विमान कंपनियां नगदी की कमी झेल रही है। जिसके चलते ऑपरेटर राजस्व बढ़ाने के लिए नए तरीके खोज रहे हैं।

वेब-चेकइन पर नहीं लगेगा शुल्क

इंडिगो एयरलाइन ने साफ किया है कि जो यात्री कंपनी की बेवसाइट या मोबाइल ऐप के जरिए चेक इन करेंगे उन्हें कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होंगा। वहीं कंपनी का कहना है कि वेब-चेकइन को बढ़ावा देने के लिए काउंटर पर यात्रियों से चेन-इन करने के लिए शुल्क ले रही है।

इंडिगो ने दिवाली पर 60 फीसदी परिचालन की उम्मीद जताई

हवाई यात्रियों की संख्या के हिसाब से देश की सबसे बड़ी विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने दिवाली तक कोविड-19 से पहले की तुलना में 60 फीसदी उड़ानों के

परिचालन पर पहुंचने की उम्मीद जताई है। बता दें देश में लॉकडाउन के दौरान डोमेस्टिक और इंटरनेशनल फ्लाइट पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। वहीं सरकार ने अनलॉक के तहत 25 मई को घरेलू रूट्स पर उड़ाने सुचारू करने की मंजूरी दी थी।

अनलॉक के शुरुआत में बहुत कम यात्रियों ने की यात्रा

इंडिगो के मुताबिक लॉकडाउन के बाद जब देश में घरेलू रूट्स पर उड़ान की मंजूरी दे दी गई तो बहुत ही कम यात्रियों ने हवाई यात्रा की। इस दौरान कंपनी ने अगस्त के महीने में केवल 32 फीसद उड़ानों का परिचालन किया। वहीं कंपनी ने अगले दो महीने में 60 फीसदी तक उड़ानों के परिचालन की उम्मीद है।

भारत में सितंबर तिमाही के दौरान 85 करोड़ डॉलर के आठ आईपीओ आए- रिपोर्ट

नयी दिल्ली, अन्र्स्ट एंड यंग (ईवाई) की एक रिपोर्ट के मुताबिक आठ भारतीय कंपनियों ने सितंबर 2020 तिमाही के दौरान 85 करोड़ डॉलर (6242.5 करोड़ रुपये) के आईपीओ जारी किए और चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही प्राथमिक बाजार से धन जुटाए के लिहाज से ''काफी बेहतर'' रह सकती है। ईवाई इंडिया की 'आईपीओ रुझान रिपोर्ट तीसरी तिमाही 2020' के मुताबिक रियल एस्टेट, आतिथ्य, निर्माण, प्रौद्योगिकी और दूरसंचार सर्वाधिक सक्रिय क्षेत्र रहे और इनमें प्रत्येक में दो आईपीओ पेश किए गए। संख्या के लिहाज से 2020 की सितंबर तिमाही के दौरान आठ आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) की गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 12 थी। हालांकि इन 12 आईपीओ के जरिए कुल 65.19 करोड़ डॉलर की राशि जुटाई गई, जबकि चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही के दौरान 85 करोड़ डॉलर जुटाए गए। इस दौरान माइंडस्पेस बिजनेस पार्क आरईआईटी का निर्गम सबसे बड़ा था, और इसके जरिए 60.2 करोड़ अमरीकी डालर जुटाए गए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ओडिशा एफसी के भारतीय खिलाड़ियों ने ट्रेनिंग शुरू की

पणजी। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम ओडिशा एफसी के भारतीय खिलाड़ियों ने आयोजकों द्वारा निर्धारित स्वास्थ्य और सुरक्षा मानदंडों के मुताबिक शनिवार को समूह में अपनी ट्रेनिंग शुरू कर दी। क्लब ने कहा कि खिलाड़ियों ने सहायक भारतीय कोच और पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी स्टीवन डायस के मार्गदर्शन में गोवा के बेतलातिम केन्द्र में अभ्यास शुरू कर दिया है। इस बीच, विदेशी खिलाड़ी भी टीम के होटल में पहुंचने लगे है। ओडिशा एफसी ने एक बयान में कहा, अनुभवी डिफेंडर स्टीवन टेलर और फॉरवर्ड डिएगो मॉरिसियो पहले ही पहुंच चुके हैं जबकि मार्सिलिन्हो और गोलकीपिंग कोच रोजेरियो रामोस शनिवार को पहुंचे हैं। अभ्यास शुरू होने पर डायस ने खुशी जताते हुए कहा, खिलाड़ियों ने हमारे स्ट्रेंथ और कंडिशनिंग कोच जोन (कैसानोवा) के फिटनेस प्रशिक्षण दिशानिर्देश के तहत अपने कमरों में कड़ी मेहनत की होगी।

धवन के शतक से दिल्ली कैपिटल्स शिखर पर

चेन्नई सुपरकिंग्स को 5 विकेट से हराया

शारजहां (एजेंसी)।

शिखर धवन (नाबाद 101) की मुश्किल समय में खेली गई शतकीय पारी की मदद से दिल्ली कैपिटल्स ने शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें सीजन में शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में तीन बार की विजेता चेन्नई सुपर किंग्स को पांच विकेट से हरा दिया। चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए फाफ डु प्लेसिस (58 रन, 47 गेंद, 6 चौके, 2 छक्के), अंबाती रायूड (नाबाद 45 रन, 25 गेंद, 4 छक्के, 1 चौका) और रवींद्र जडेजा (33 रन, 13 गेंद, 4 छक्के) की मदद से 20 ओवरों में चार विकेट खोकर 179 रन बनाए।चेन्नई की खराब फील्डिंग ने दिल्ली को इस लक्ष्य को हासिल करने के भरपूर मौके दिए और दिल्ली ने 19.5 ओवरों में पांच विकेट खोकर इस लक्ष्य को हासिल कर लिया।

धवन का टी-20 क्रिकेट में पहला शतक

धवन का यह आईपीएल में पहला शतक है। अपनी इस शतकीय पारी में उन्होंने 58 गेंदों का सामना कर 14 चौके, एक छक्का लगाया। धवन आज किस्मत भी साथ लेकर उतरे थे, क्योंकि चेन्नई के खिलाड़ियों ने उन्हें तीन जीवनदान दिए। धवन ने इनका भरपूर फायदा उठाया और टीम को जीत दिलाकर ही वापस लौटे। दीपक चहर ने चेन्नई को मनमाफिक शुरुआत दी और शुरुआती ओवरों में ही दो विकेट चटका दिए। पहले पृथ्वी शॉ को पारी की दूसरी गेंद पर बिना खाता खोले आउट किया और फिर अजिंक्य रहाणे (8) को सैम कुरैन के हाथों कैच कराया। रहाणे के जाने के बाद दिल्ली का स्कोर 26/2 हो गया।

दीपक ने दिल्ली को शुरुआती दो झटके दिए

दिल्ली की शुरुआत बेहद खराब रही थी। पृथ्वी शॉ लगातार दूसरे मैच के पहले ही ओवर में आउट हो गए। दिल्ली को शुरुआती दोनों झटके तेज गेंदबाज दीपक चाहर ने दिए। उन्होंने अपनी ही बॉल पर पृथ्वी शॉ का कैच लिया। उसके बाद अजिंक्य रहाणे (8) को सैम करन के हाथों कैच आउट कराया। ओपनर शिखर धवन एक छोर संभाले रहे और उन्होंने टीम को जीत दिलाई।

धवन के तीन कैच छोड़े चैन्नई की टीम ने

चाहर ने धवन का कैच छोड़ उन्हें जीवनदान दिया। धोनी ने भी धवन को मौका दिया। नुकसान यह रहा कि धवन ने अपने पैर जमा लिए और आसानी से चेन्नई के गेंदबाजों को खेला और अंत तक टीम की जिम्मेदारी अपने ऊपर लेकर उसे विजयी बनाया। उनके साथ कप्तान श्रेयस अय्यर ने 68 रनों की साझेदारी की लेकिन धवन की तरह वो भाग्यशाली नहीं रहे। अय्यर को 94 के कुल स्कोर पर ड्वायन ब्रावो ने डु प्लेसिस के हाथों कैच कराया।

अक्षर पटेल का फिनिशिंग टच

धवन को फिर मार्कस स्टोइनिस के साथ मौका मिला और दोनों ने दिल्ली को मैच में आसानी से बनाए रखा। 16वें ओवर में रायडू ने धवन का एक और आसान सा कैच छोड़ दिया, लेकिन शार्दूल ठाकुर इसी ओवर में स्टोयनिस का विकेट लेने में सफल रहे जिन्होंने 14 गेंदों पर 24 रन बनाए। चार ओवरो में दिल्ली को 41 रनों की जरूरत थी और धवन अभी तक टिके हुए थे। दो ओवरों में दिल्ली को 21 रन चाहिए थे। कुरैन ने इस ओवर में सिर्फ चार रन दिए। आखिरी ओवरों में 17 रनों की जरूरत थी। अक्षर पटेल ने इसी ओवर की पांच गेंदों का सामना किया और नाबाद 21 रन बना टीम की जीत की औपचारिकताओं को पूरा किया।

चेन्नई की खराब शुरुआत रही

चेन्नई की शुरुआत बेहद खराब रही थी। मैच की दूसरी बॉल पर ओपनर सैम करन बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। तुषार देशपांडे ने उन्हें एनरिच नोर्तजे के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद डु प्लेसिस और शेन वॉटसन (36) ने दूसरे विकेट के लिए 67 बॉल 87 रन की पार्टनरशिप की। वॉटसन को नोर्तजे ने बोल्ड किया। नोर्तजे ने मैच में अपना दूसरा विकेट लेते हुए महेंद्र सिंह धोनी को विकेटकीपर एलेक्स कैरी के हाथों कैच आउट कराया। कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने प्लेइंग इलेवन में एक बदलाव किया। पीयूष चावला की जगह केदार जाधव को शामिल किया गया। वहीं, दिल्ली की टीम में कोई बदलाव नहीं हुआ। पिछले मैच में चोटिल हुए कप्तान श्रेयस अय्यर फिट हैं। वे मैच खेल रहे हैं। दिल्ली की टीम आठ मैचों में छह जीत और दो हार के साथ 12 अंक लेकर अंकतालिका में दूसरे नंबर पर है। वहीं, चेन्नई सुपर किंग्स ने आठ मैचों में तीन जीते हैं और पांच हारे हैं तथा टीम छह अंकों के साथ तालिका में छठे नंबर पर है। दोनों टीमें अपना पिछला मुकाबला जीत चुकी है। इस सीजन में दोनों टीमें जब पहली बार एक दूसरे से भिड़ी तो दिल्ली ने चेन्नई को 44 रनों से करारी मात दी थी।

एलावेनिल ने जीता स्वर्ण, तुषार को मिला रजत

नई दिल्ली । विश्व की नंबर एक निशानेबाज भारत की एलावेनिल वलारीवान ने शेख रसेल अंतरराष्ट्रीय एयर राइफल चैंपियनशिप में रविवार को स्वर्ण पदक जीता जबकि भारत के ही शाहू तुषार माने ने रजत पदक हासिल किया। शेख रसेल अंतरराष्ट्रीय एयर राइफल चैंपियनशिप 2020 का आयोजन बंगलादेश शूटिंग स्पोटर्स महासंघ ने किया था। एलावेनिल को ईनामी राशि के तौर पर 1000 डॉलर और तुषार को 700 डॉलर दिए गए। इस चैंपियनशिप में छह देशों के निशानेबाजों ने भाग लिया। 60 शॉट की प्रतियोगिता में एलावेनिल ने 627.5 के स्कोर के साथ स्वर्ण जीता जबकि जापान की शिओरी हिराता ने 622.6 के स्कोर के साथ रजत और इंडोनेशिया की विद्या तोयिबा ने 621.1 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। पुरुष वर्ग में जापान के नाओया ओकादा ने 630.9 का स्कोर कर स्वर्ण, भारत के तुषार ने 623.8 के स्कोर के साथ रजत और बंगलादेश के बाकी अब्दुल्लाह हेल ने 617.3 का स्कोर कर कांस्य पदक हासिल किया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले दो अन्य देश कोरिया और भूटान थे।

आईपीएल-13

चेन्नई-राजस्थान को हर हाल में चाहिए जीत

अबू धाबी (एजेंसी)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें सीजन में सोमवार को चेन्नई सुपर किंग्स का सामना राजस्थान रॉयल्स के साथ यहां शेख जाएद स्टेडियम में होगा। दोनों टीमें अपने पिछले मैच में मात खाने के बाद इस मैच में उतरेंगी और प्लेऑफ की रेस में बने रहने के लिए दोनों टीमों को इस मैच में जीत की सख्त जरूरत है। चेन्नई को दिल्ली कैपिटल्स ने हराया था जबकि राजस्थान को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने मात दी थी। एक समय राजस्थान के लिए जीत पक्की लग रही थी लेकिन 19वें ओवर में अब्राहम डिविलियर्स ने बाजी पलट दी और बेंगलोर को जीत की ओर अग्रसर किया। राजस्थान के लिए इस मैच में अच्छी बात यह रही थी कि उसकी बल्लेबाजी शानदार थी। सलामी जोड़ी में बदलाव किया गया था और बेन स्टोक्स के साथ रॉबिन उथप्पा को पारी की शुरूआत के लिए भेजा गया था। उथप्पा सफल रहे थे और उन्होंने अपने अंदाज में ही बल्लेबाजी की थी। स्टोक्स के साथ उन्होंने 50 रन जोड़े थे। उनके अलावा कप्तान स्टीव स्मिथ ने भी शानदार पारी खेल अर्धशतक जमाया था और उन्हीं के दम पर टीम एक मजबूत स्कोर खड़ा करने में सफल रही थी। टीम प्रबंधन एक बार फिर उम्मीद करेगा कि टीम के बल्लेबाज इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखें। साथ ही वह चाहेगा कि संजू सैमसन और बेन स्टोक्स अपनी फॉर्म में लौटें। सैमसन शुरूआती मैचों में बरसने के बाद विफल ही रहे हैं और स्टोक्स जब से आए हैं उन्होंने ज्यादा खास नहीं किया है, उस तरह का तो बिल्कुल भी नहीं जिस तरह के प्रदर्शन की टीम को आवश्यकता है। जोस बटलर को टीम ने मध्य क्रम में भेजने का फैसला किया था। बटलर को नीचे. भेजने का मतलब है कि टीम उनसे एक फिनिशर का रोल अदा करने को कह रही है, जिसकी काबिलियत उनमें है। निचले क्रम में साथ देने के लिए उनके पास राहुल तेवतिया हैं जो बड़े शॉट्स मारने में सक्षम हैं। वहीं गेंदबाजी की जहां तक बात है तो जोफ्रा आर्चर और कार्तिक त्यागी ने लगातार दबाव डाला है। स्पिन में तेवतिया और श्रेयस गोपाल भी अच्छा कर पाए हैं, लेकिन एक संयुक्त प्रदर्शन की जरूरत टीम को अपने गेंदबाजों से हैं। जयदेव उनादकट ने पिछले मैच में टीम को जीत से हार की तरफ धकेला था। इस मैच में वो खेलते हैं या नहीं यह देखने लायक होगा। चेन्नई की बात की जाए तो दिल्ली के खिलाफ उसके बल्लेबाज चले थे। सैम कुरैन के पहले ही ओवर में आउट होने के बाद शेन वाटसन, फाफ डु प्लेसिसि, अंबाती रायडू ने मोर्चा संभाला था और अंत में रवींद्र जडेजा ने तूफानी पारी खेल, टीम को प्रबल स्कोर दिया था। कप्तान एमएस धोनी का फॉर्म हालांकि टीम कि चिंता का सबब है, क्योंकि धोनी अभी तक बल्ले से कमाल नहीं दिखा पाए हैं। चेन्नई के बल्लेबाजों का निरंतर फॉर्म में न रहना भी टीम के लिए एक चिंताजनक बात है। राजस्थान के खिलाफ कितने बल्लेबाज पिछले मैच के प्रदर्शन को कायम रखते हैं, यह देखना अहम होगा। गेंदबाजी में असल मायनों में कुरैन टीम के लिए सफल रहे हैं। दिल्ली के खिलाफ भी 19वां ओवर फेंक उन्होंने मैच को चेन्नई के लिए आसान बना दिया था, लेकिन ड्वेन ब्रावो के न होने के कारण जडेजा को आखिरी ओवर फेंकना पड़ा था और टीम मैच हर गई थी।

संक्षिप्त समाचार

डिविलियर्स हमेशा तैयार रहते हैं : कोहली

दुबई। अब्राहम डिविलियर्स ने एक बार फिर शानदार पारी खेल शनिवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सात विकेट से जीत दिला दी। टीम की इस जीत और डिविलियर्स के एक और अचंभित करने वाले प्रदर्शन से कप्तान विराट कोहली काफी खुश हैं। मैच के बाद कोहली ने कहा कि डिविलियर्स इस तरह की स्थितियों के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। कोहली ने कहा, आप जब लक्ष्य का पीछा करते हो तो हमेशा दबाव में रहते हो क्योंकि आपको नहीं पता कि डिविलियर्स कितनी गेंदे खेलेंगे। इसका श्रेय गुरकीरत मान को भी जाता है जो डिविलियर्स के साथ टिके रहे। उन्होंने कहा, डिविलियर्स को फर्क नहीं पड़ता की सामने गेंदबाज कौन है। वह हमेशा वही करते हैं जो वो करना जानते हैं। डिविलियर्स उस तरह के बल्लेबाज हैं जो स्थिति के देखते हैं और उसके हिसाब से खेल को बदलते हैं। मेरी नजरों में वो आईपीएल के सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी हैं। अगर वह चलते हैं तो विपक्षी टीम जानती है कि उनकी संभावना कम है। इस मैच में डिविलियर्स ने 22 गेंदों पर छह छक्कों और एक चौके की मदद से नाबाद 55 रन बनाए। वह 25 या उससे कम गेंदों पर आईपीएल में अब तक 12 अर्धशतक लगा चुके हैं। डेविड वार्नर भी यह कारनामा 12 बार कर चुके हैं।

सुधार की इच्छा, बुमराह को विश्व का सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज बनाती है

अबू धाबी। मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियंस के गेंदबाजी कोच शेन बॉन्ड ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की तारीफ करते हुए कहा है कि बुमराह के अंदर खुद में सुधार करने की इच्छा उन्हें दुनिया का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बनाता है। बुमराह आईपीएल-13 में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में दूसरे नंबर पर हैं। मुंबई इंडियंस ने अपने ट्विटर पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें बॉन्ड ने कहा, यह अच्छा है। लगभग छह साल से बुमराह के साथ काम करना पसंद हैं। उन्होंने कहा, जसप्रीत के बारे में मुझे जो बात पसंद है, वह है कि वह खुद में सुधार करना चाहता है। वह इस टूर्नामेंट में बदल गए हैं। उन्हें अपने शस्त्रागार में एक और अलग गेंद मिली है और जब आप एक ऐसे खिलाड़ी को देखते हैं तो आपके लिए मैदान में चीजें आसान हो जाती है। इसलिए मुझे कोई आश्चर्य नहीं है कि वह एक है दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज हैं। गेंदबाजी कोच ने साथ ही मुंबई के अन्य तेज गेंदबाजों ट्रेंट बाउल्ट और जेम्स पैटिंसन की भी तारीफ की, जिन्होंने अब तक की टीम सफलता में अहम योगदान दिया है। उन्होंने कहा, मेरे नजरिए से, जिस तरह से चीजें आगे बढ़ रही हैं उससे मैं खुश हैं और यही कारण है कि ये तीनों गेंदबाज इस समय अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं।

धवन का विकेट अहम था, लेकिन हमने उनके कुछ कैच छोड़े- धोनी

शारजाह (एजेंसी)।

शिखर धवन ने शनिवार को आईपीएल का अपना पहला शतक जमा दिल्ली कैपिटल्स को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पांच विकेट से जीत दिला दी। धवन ने नाबाद 101 रनों की पारी खेली। इसमें हालांकि चेन्नई के फील्डरों का अहम योगदान रहा जिन्होंने धवन के तीन कैच छोड़े। चेन्नई के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने इस बात को कबूल किया कि धवन का विकेट चेन्नई की जीत के लिए अहम था। मैच के बाद धोनी ने कहा, धवन का विकेट अहम था, लेकिन हमने उनके कुछ कैच छोड़े। अगर वह लगातार बल्लेबाजी करते रहेंगे तो वह स्ट्राइक रेट को ऊंचा रखेंगे। धोनी ने कहा कि दूसरी पारी में विकेट भी अच्छी खेली। धोनी ने कहा, विकेट भी दूसरे हाफ में अच्छी खेली। लेकिन हम धवन से श्रेय नहीं ले सकते। ज्यादा ओस भी नहीं थी, लेकिन पिच को बेहतर करने का समय था। यह बड़ा अंतर होता है। धोनी एक बार फिर सैम कुरैन के प्रदर्शन से खुश दिखे क्योंकि कुरैन ने 19वें ओवर में महज चार रन दिए एक तरह से चेन्नई का वापसी करा दी थी। धोनी ने कहा, एक अच्छी चीज कुरैन का ओवर रहा। वह वाइड यॉर्कर को अच्छे से लागू कर सके। वह आमतौर पर इसे लेकर ज्यादा आत्मविश्वासी नहीं रहते हैं, लेकिन आज उन्होंने अच्छा किया। कुरैन के बाद आखिरी ओवर रवींद्र जडेजा ने डाला, लेकिन ड्वायन ब्रावो होते तो वह आखिरी फेंकते और शायद मैच का परिणाम चेन्नई के पक्ष में हो सकता था। ब्रावो चोटिल हो गए थे। धोनी ने ब्रावो को लेकर कहा, ब्रावो फिट नहीं थे। वह बाहर गए और फिर वापस नहीं लौटे। इसलिए विकल्प जडेजा या कर्ण शर्मा थे। मैं जडेजा के साथ गया।

छोटे और प्रभावशाली प्रदर्शन से खुश हूं : क्रुणाल पांड्या

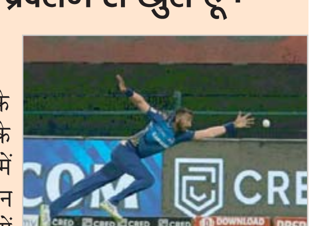

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस के क्रुणाल पांड्या, रवींद्र जडेजा के कारण भारत की टी-20 टीम में अपनी जगह गंवा चुके हैं लेकिन उनको उम्मीद है कि आईपीएल में मुंबई के लिए किया गया प्रदर्शन उन्हें टीम में वापस जगह दिला सकता है। अभी तक क्रुणाल ने आठ मैचों में पांच विकेट लिए हैं। बल्लेबाजी में उन्हें हालांकि ज्यादा मौका नहीं मिला है। क्रुणाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे चुनौतियां पसंद हैं। मैं नई चीजों का सामना करना पसंद करता हूं। इससे आपको अपने मजबूत और कमजोर पक्ष जानने का मौका मिलता है। मुझे जिम्मेदारी लेना पसंद हैं। उन्होंने कहा, मैं मुंबई के लिए यह रोल निभाता आ रहा हूं- कम गेंदें बची हों, तब बल्लेबाजी करना और विकेट लेना। मैं इस साल भी यही कर रहा हूं। मैंने अभी तक जिस तरह की बल्लेबाजी और गेंदबाजी की है उससे मैं खुश हूं। हमारे शीर्ष क्रम ने अच्छी बल्लेबाजी की है, इसलिए मुझे बहुत कम बल्लेबाजी करने को मिलती है, लेकिन मैंने जहां भी बल्लेबाजी की है मैंने, बल्ले से अपना प्रभाव छोड़ा है, और गेंद से भी। एक खिलाड़ी के तौर पर मुझे मुश्किल परिस्थितियां पसंद हैं। क्रुणाल अपने आप को उस तरह के खिलाड़ी के तौर पर देखते हैं जो अपना प्रभाव छोड़ता है और वह मैच विजयी प्रदर्शन कर खुश हैं चाहे वो छोटे ही क्यों न हों। उन्होंने कहा, मैंने कितने रन बनाए हैं और कितने विकेट लिए हैं, यह मायने नहीं रखता है। मायने रखता है कि प्रभाव क्या रहा। छोटे प्रारूप में कई बार, जब विपक्षी टीम को 15 रन चाहिए और छह रन का ओवर फेंके तो वो ओवर बेहद अहम होता है। यह चार विकेट-तीन विकेट की तरह होता है। क्रुणाल ने कहा कि वह, उनके भाई हार्दिक पांड्या और केरन पोलार्ड जो काम करते हैं वो मुश्किल है। यह तीनों तब बल्लेबाजी करने आते हैं जब कम गेंदें बची हों। उनका कहना है कि अगर इससे टीम को मदद मिलती है तो उन्हें इससे परेशानी नहीं है। उन्होंने कहा, यह बल्लेबाजी के लिए आसान जगह नहीं है, आप ज्यादा गेंद नहीं खेलते हैं। लेकिन हम बीते कुछ सीजनों से यह कर रहे हैं। हम एक दूसरे को अच्छे से जानते हैं और कई बार चर्चा करते हैं। इसने हमारे लिए काम किया है।

मुम्बई सिटी ने बोमौस के साथ करार की घोषणा की

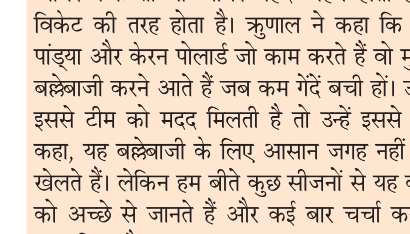

मुम्बई। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम मुम्बई सिटी एफसी ने लीग के आगामी सातवें सीजन से पहले फ्रांसीसी-मोरक्को के मिडफील्डर ह्यूगो बोमौस के साथ करार करने की शनिवार को घोषणा की। बोमौस इससे पहले एफसी गोवा का हिस्सा थे। वह 2022 तक मुम्बई सिटी एफसी के साथ बने रहेंगे। बोमौस ने कहा, मुम्बई सिटी एफसी जैसे क्लब के साथ जुड़ना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि मेरे कोच सर्जियो लोबेरा के साथ बहुत अच्छे संबंध है। बोमौस ने आगे कहा, वह जानते है कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कैसे कर सकता हूं। मैं उनके साथ काम करने और अपने नए साथियों से मिलने को लेकर उत्साहित हूं। मेरा पिछला सीजन अच्छा रहा था और मैं इससे भी अच्छा बनान चाहता हूं। 25 साल के बोमौस ने ने 2019-20 में गोवा की टीम की तरफ से बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्होंने 15 मैचों में 10 गोल किए थे और आईएसएल की गोल्डन बॉल अपने नाम किया था।

कोरोना के खिलाफ लड़ाई के जज्बे को बढ़ाने के लिए उत्तराखंड में खेल स्पर्धाएं

देहरादून (एजेंसी)।

समाज में कोविड-19 से लड़ाई के जज्बे को बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत की पहल पर शुरू कार्यक्रम 'कोरोना वारियर से विनर' के तहत रविवार को बैडमिंटन और वाकाथन स्पर्धाएं आयोजित की गयीं । यहां इन स्पर्धाओं का शुभारंभ करने के बाद मुख्यमंत्री रावत ने कोरोना विनर्स (कोरोना को हराकर लड़ाई जीत चुके लोग) के साथ एक बैडमिंटन मैच भी खेला। युगल स्पर्धा में एक तरफ मुख्यमंत्री और एक कोरोना विनर थे जबकि दूसरी तरफ प्रदेश के खेल सचिव बीके संत और एक अन्य कोरोना विनर थे। इसमें मुख्यमंत्री की टीम ने 10-5 से गेम जीता। 'कोरोना वारियर से विनर' कार्यक्रम के तहत खेल विभाग के तत्वावधान में कोरोना से ठीक हो चुके लोगों के लिए अनेक खेल स्पर्धाएं आयोजित की जा रही हैं। इस अवसर पर, मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरा विश्व कोरोना से जूझ रहा है और स्वास्थ्य पर कोरोना के अनेक दुष्प्रभाव देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी एकजुट होकर इससे लड़ाई में जीत सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण की दर में कमी आई है परंतु हम सभी को अब खासतौर से आने वाले त्योहारों को देखते हुए और अधिक सावधान व सतर्क रहने की जरूरत है। रावत ने कहा कि पहले कोरोना से ठीक हुए लोगों का मनोबल बढ़ाने की आवश्यकता महसूस की जाती थी लेकिन अब यही कोरोना विनर्स कोरोना से लड़ाई में हम सभी का हौंसला बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना विनर्स के लिए आयोजित इन कार्यक्रमों से निश्चित रूप से समाज में कोविड-19 को लेकर और अधिक जागरूकता आएगी।

यह हार पचा पाना मुश्किल : स्मिथ

दुबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ शनिवार को अंतिम ओवर में हार झेलने के बाद राजस्थान रॉयल्स के कप्तान स्टीव स्मिथ ने कहा कि यह हार पचा पाना मुश्किल है। राजस्थान ने बेंगलोर के सामने 178 रनों का लक्ष्य रखा था। एक समय तक राजस्थान मैच में थी लेकिन अब्राहम डिविलियर्स ने नाबाद 55 रनों की पारी खेल मैच बेंगलोर की झोली में डाल दिया। मैच के बाद स्मिथ ने कहा, निश्चित तौर पर इस हार को पचा पाना मुश्किल है। वहां डिविलियर्स थे। उन दो लगातार विकेट से हम मैच में थे। हम वहां से मैच जीत सकते थे लेकिन यह निराशाजनक। मुझे लगता है कि यह इस धीमी विकेट पर अच्छा स्कोर था। हमने अच्छा दबाव बना लिया था, लेकिन बेंगलोर को जीत दिलाने के लिए डिविलियर्स ने विशेष पारी खेली। डिविलियर्स ने 19वें ओवर में जयदेव उनादकट पर लगातार तीन छक्के मारे और यहीं से मैच राजस्थान के हाथ से फिसल गया। स्मिथ ने कहा, हम जयदेव को बड़ी बाउंड्री के लिए उपयोग में लेना चाहते थे। जाहिर है, डिविलियर्स के लिए बाउंड्रीज ज्यादा बड़ी नहीं थीं।

हिंदू धर्म में गंगा स्नान का विशेष महत्व

हिंदू धर्म में गंगा स्नान का विशेष महत्व है। जिस प्रकार संस्कृत भाषा को देववाणी कहा जाता है, उसी प्रकार गंगाजी को देव नदी कहा जाता है। गंगा भारत की ही नहीं बल्कि विश्व की परम पवित्र नदी है। इस तथ्य को भारतीय तो मानते ही है, विदेशी विद्वान भी इसे स्वीकार करते है।

प्रचलित मान्यता

ऐसा माना जाता है कि गंगा जी स्वर्गलोक से ज्येष्ठ शुक्ल दशमी को पृथ्वी पर उतरी थीं। इसी दिन सूर्यवंशी राजा भगीरथ की पीढ़ियों का परिश्रम और तप सफल हुआ था। उनके घोर तप के फलस्वरूप गंगाजी ने शुष्क तथा उजाड़ प्रदेश को उर्वर तथा शस्य श्यामल बनाया और भय-ताप से दग्ध जगत के संताप को मिटाया। उसी मंगलमय सफलता की पुण्य स्मृति में गंगा पूजन की परंपरा प्रचलित है।

भारतीय संस्कृति और गंगा

गंगा, गीता और गौ को भारतीय संस्कृति में विशेष महत्व दिया गया है। प्रत्येक आस्तिक भारतीय गंगा को अपनी माता समझता है। गंगा में स्नान का अवसर पाकर कृत-कृत्य हो जाता है। गंगा दशहरा के दिन गंगा के प्रति अपनी सारी कृतज्ञता प्रकट की जाती है। ऐसा माना जाता है कि गंगा दशहरा के दिन गंगा स्नान और पूजन से समस्त पाप नष्ट हो जाते है। गंगा दशहरा के दिन यदि संभव हो तो गंगा स्नान अवश्य करना चाहिए अथवा किसी अन्य नदी, जलाशय में या घर के ही शुद्ध जल से स्नान करें, पर गंगा जी का स्मरण और पूजन करे।

गंगा पूजन के साथ उनको भूतल पर लाने वाले राजा भागीरथ और उद्गम स्थान हिमालय का भी पूजन नाम मंत्र से करना चाहिए। इस दिन गंगा जी को अपनी जटाओं में समेटने वाले भगवान शिव की भी पूजा करनी चाहिए। संभव हो तो इस दिन दस फूलों और तिल आदि का दान भी करना चाहिए।

पौराणिक कथा

प्राचीन ग्रंथों में वर्णित कथा के अनुसार अयोध्या के सूर्यवंशी राजा सगर ने एक बार अश्वमेघ यज्ञ का अनुष्ठान किया। यज्ञीय अश्व की रक्षा के लिए उनके साठ हजार पुत्र उसके पीछे-पीछे चले। इंद्र ने ईर्ष्यावश यज्ञ के अश्व को पकड़वा कर कपिल मुनि के आश्रम में बंधवा दिया। सागर पुत्र जब अश्व को खोजते हुए कपिल मुनि के आश्रम में गए, तो वहां यज्ञ के घोड़े को देखकर ऋषि को भला-बुरा कहा। ऋषि को इंद्र के षड्यंत्र का पता न था अतएव उन्हे भी क्रोध आया और उन्होंने हुंकार से राजकुमारों को भस्म कर दिया।

जब बहुत दिन बीत गए और कोई भी राजकुमार लौट कर नहीं आया तो राजा सगर ने अपने नवयुवक पौत्र अंशुमान को उनका पता लगाने के लिए भेजा। उसने घोड़े का पता लगाया और अपने पूर्वजों की दुर्दशा भी देखी। उसे गरुड़ द्वारा यह भी ज्ञात हुआ कि भस्म हुए राजकुमारों का उद्धार तभी हो सकता है, जब स्वर्गलोक से गंगा जी को पृथ्वी पर लाया जाए और इन सबकी भस्मी का स्पर्श गंगाजल से कराया जाए। अंशुमान ने वैसा ही किया। इसके बाद इसी वंश में आगे चल कर राजा दिलीप के पुत्र भगीरथ परम प्रतापी तथा धर्मात्मा राजा हुए। वह गंगा जी को लाने केलिए गोकर्ण तीर्थ में जाकर कठोर तप करने लगे। उन्होंने अपनी कठोर तपस्या से देवताओं को भी विचलित कर दिया। देवों ने ब्रह्मा जी से प्रार्थना की कि वे भगीरथ को संतुष्ट करे। इसके बाद ब्रह्मा जी देवताओं के साथ राजा के पास गए और उनसे अभीष्ट वरदान मांगने को कहा। भगीरथ ने गंगावरतण की प्रार्थना की। ब्रह्माजी ने प्रार्थना स्वीकार कर ली, किंतु यह भी कहा कि गंगा जी की वेगवती धारा को भूतल पर संभालने का प्रबंध तु6हे करना पड़ेगा। इसके लिए राजा ने घोर तप करके शिवजी को प्रसन्न किया और उन्होंने गंगा की वेगवती धारा को संभालने का कार्य अंगीकार कर लिया। उसके बाद शंकर जी ने अपनी जटा से गंगा जी को रोका और बाद में अपनी जटा को निचोड़ कर बिंदु के रूप में गंगा जी को बाहर निकाला। वह बिंदु शिवजी के निवास स्थान कैलास पर्वत के पास बिंदु सरोवर में गिरा। वहां पर तत्काल गंगाजी सात धाराएं हो गई और वे अलग-अलग दिशाओं में फैल गई।

अथक भागीरथ प्रयत्न

गंगा जी की कृपा से भारत का मानचित्र ही बदल गया है। गंगावतरण के प्रमुख साधक भगीरथ की साधना, तप और अति विकट परिश्रम ने यह अमृत फल प्रदान किया है। उनके इस कठिन प्रयत्न की वजह से ही भगीरथ प्रयत्न एक मुहावरा बन गया है और गंगा जी का एक नाम भागीरथी पड़ गया। गंगावतरण की तिथि गंगा दशहरा के दिन हरिद्वार स्थित हर की पौड़ी में गंगा स्नान, गंगा पूजन और दान का विशेष महत्व है।

सच्ची आध्यात्मिकता

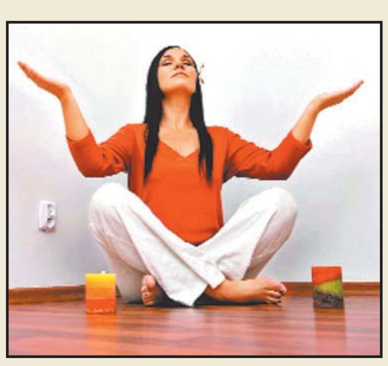

एक व्यक्ति किसी फकीर के पास साधना सीखने गया। फकीर की चारों ओर बहुत ख्याति थी। उनके आशीर्वाद से बीमार स्वस्थ हो जाते थे और लोगों की परेशानियां दूर हो जाती थीं। दूर-दूर से पीड़ित लोग उनके यहां आते, दुआएं मांगते और प्रसन्न होकर जाते। जब वह आदमी संत के पास पहुंचा तो देखा कि फकीर एक टोकरी में से दाना निकालकर पक्षियों को चुगा रहे थे। उन्हें चुगते देख कर वे बच्चों की तरह खुश हो उठते थे। इस तरह लंबा समय बीत गया। न फकीर ने उस व्यक्ति की ओर देखा और न दाना चुगाना ही बंद किया। आने वाला परेशान हो गया। वह फकीर की ओर बढ़ा। उसे सामने देखते ही फकीर ने टोकरी उसके हाथों में थमा दी और कहा, अब तुम पक्षियों के साथ आनंद का अनुभव करो। वह व्यक्ति सोचने लगा, कहां तो मैं इनसे आध्यात्मिक साधना का रहस्य जानने आया हूं और ये हैं कि मुझे पक्षियों को दाना चुगाने को कह रहे हैं। फकीर ने उसके मन की बात पढ़ ली। वह बोले, स्वयं की परेशानियों को भूल कर दूसरों को आनंद पहुंचाने का प्रयत्न ही जीवन की हर सिद्धि और आनंद का राज है। यदि तुम स्वयं सुख और आनंद पाना चाहते हो, तो वही दूसरे को भी देना सीखो। तुम यदि यह साध सकोगे तो तुम्हारी सारी साधना हो जाएगी। जो लोग आध्यात्मिकता को किसी खास नियम और जीवनशैली में देखते हैं, वे उसके नैसर्गिक पक्ष से वंचित रह जाते हैं। खरा आध्यात्मिक जीवन दूसरों को सुख बांटने में होता है। उसमें आनंद और खुलेपन का अनुभव होता है। एक छोटे से उदाहरण से वह व्यक्ति आध्यात्मिकता के रहस्य को समझ गया।

अहंकार है पतन का जनक

न तत्र सूर्यो भाति न चन्द्र तारकं नैमा विद्युतो भान्ति कुतो-यम्-अग्निः
तमेव भान्तम्-अनुभाति सर्वंतस्य भासा सर्वम्-इदम् विभाति

अर्थ : वास्तव में सूर्य, चन्द्र, विद्युत आदि में जो प्रकाश है, वह सूर्य, चन्द्र और विद्युत की सत्ता में नहीं है- इन सबका प्रकाशक सर्वाधिष्ठान शुद्ध-चैतन्य ब्रह्म ही है।

कठोपनिषद् में एक सुन्दर आख्यान आता है।

एक समय देवासुर संग्राम में देवताओं की विजय हुई तो उन्हें अहंभाव हो गया। विजय का श्रेय लेने के लिए अग्नि, वायु आदि सभी देवता अपने-अपने पराक्रम का यशोगान करने लगे। देवताओं का इस प्रकार अहंकार बढ़ा हुआ देखकर सर्वनियन्ता परमात्मा ने सोचा कि अहंकार तो पतन का हेतु होता है, इसलिए देवताओं को पतन से बचाने के लिए इनका अहंकार चूर कर देना आवश्यक है। जहां देवगण मिलकर अपनी-अपनी विभूति गाथा गा रहे थे, वहीं आकाश में एक विचित्र आकृति वाला यक्ष उत्पन्न हो गया। देवताओं की दृष्टि उस पर गई तो वे निश्चय नहीं कर सके कि यह क्या है। उन्होंने सोचा कि कहीं कोई दैत्य तो नहीं है।

- उसका पता लगाने के लिए सबने अग्निदेव से कहा कि आप बड़े ही पराक्रमशाली हैं, आप ही जाकर पता लगाइए कि यह कौन है और यहां इसके आने का क्या कारण है। अग्निदेव यक्ष के निकट गये।
- यक्ष ने पूछा कि तुम कौन हो? अग्नि ने बड़े गर्व से कहा – मैं अग्नि हूं और 'जातवेदा' नाम से जगत् में विख्यात हूं। इस प्रकार गर्वीला उत्तर सुनकर यक्ष ने एक तिनका अग्नि के समाने रख दिया और कहा कि इसे जला दो।
- अग्नि ने बार-बार प्रयत्न किया, अपनी पूरी शक्ति लगा दी, पर वह तृण जला नहीं। अग्नि लज्जित होकर वापिस लौट आई, तब देवताओं को बड़ा आश्चर्य हुआ।
- सब ने मिलकर वायु को प्रेरित किया। कहा कि आप भी बड़े प्रभावशाली हैं, आप इसका पता अवश्य ही लगा लेंगे। वायुदेव यक्ष के निकट पहुंचे। यक्ष ने पूछा- तुम कौन है? वायु ने कहा है- हम वायुदेव हैं। यक्ष ने पूछा-तुम्हारी क्या सामर्थ्य है? वायु ने उत्तर दिया- मैं क्षणभर में समस्त भूमण्डल को यहां का वहां कर सकता हूं, चाहे जिसे चाहे जहां उड़ाकर फेंक सकता हूं। यक्ष ने वही तिनका वायु के सामने रख दिया और कहा- इसे उड़ा ले जाओ। वायु ने सरलता से उड़ाना चाहा, तिनका हिला तक नहीं, वायु ने अपना पूरा बल लगाया, पर तिनका उस स्थान से टसमस भी नहीं हुआ। वायु शिथिल होकर लौट आई।

सब देवता बड़े विस्मय और भय में पड़ गये। सब ने मिलकर इन्द्र से कहा- आप देवराज हैं। आप हम सब में बुद्धिमान हैं। यह कोई भयंकर आपत्ति हम लोगों पर आ रही है; कृपा करके युक्तिपूर्वक ढंग से पता लगवाइए कि यह क्या है। इन्द्र अपना पराक्रम बटोरकर यक्ष के समीप पहुंचे। यक्ष ने इनकी इतनी अवहेलना की कि वह इनसे बोला तक नहीं। और वहीं अन्तर्ध्यान हो गया। तब इन्द्र का अभिमान जाता रहा। उसने विनम्र होकर भगवती का ध्यान किया और प्रार्थना की। तब विद्यादेवी ने उमा के रूप में प्रकट होकर इन्द्र को समझाते हुए कहा-'यह यक्ष जो तुम लोगों के सामने प्रकट हुआ था, वह सर्वनियन्ता परब्रह्म परमात्मा ही था; उसी की सत्ता से समस्त जगत सत्तावान् है; उसी की शक्ति से अग्नि, वायु आदि देवगण शक्तिमान होते हैं; उसी के प्रकाश से सूर्य,चन्द्र में प्रकाश है, उसी की शक्ति से ही आप लोग शक्तिमान् हैं ; यह जो आप लोगों की विजय हुई है, वह उसी की विजय है। आप लोगों को अनावश्यक अहंकार हो गया था, इसी हेतु से आपका दर्पदलन करने के हेतु वह यक्ष के रूप में प्रकट हुआ था। आप लोगों को चाहिए कि जिसकी इच्छा के विरुद्ध एक तृण भी नहीं हिल सकता, जो सूर्य, चन्द्र आदि सबको अपने प्रकाश से प्रकाशित कराता है, उसी सर्वाधिष्ठान स्वप्रकाश परब्रह्म परमात्मा की ही प्रधानता मानें, व्यर्थ का अहंभाव अपने मन में न आने दें।'

अक्खड़, निडर और संत कवि कबीरदास

कबीर समाज में फैले आडम्बरों के सख्त विरोधी थे। उन्होंने सबको एकता के सूत्र का पाठ पढ़ाया। वह लेखक और कवि थे। उनके दोहे इंसान को जीवन की नई प्रेरणा देते हैं। कबीर ने जिस भाषा में लिखा, वह लोक प्रचलित तथा सरल थी। उन्होंने विधिवत शिक्षा नहीं ग्रहण की थी, इसके बावजूद वे दिव्य प्रतिभा के धनी थे।

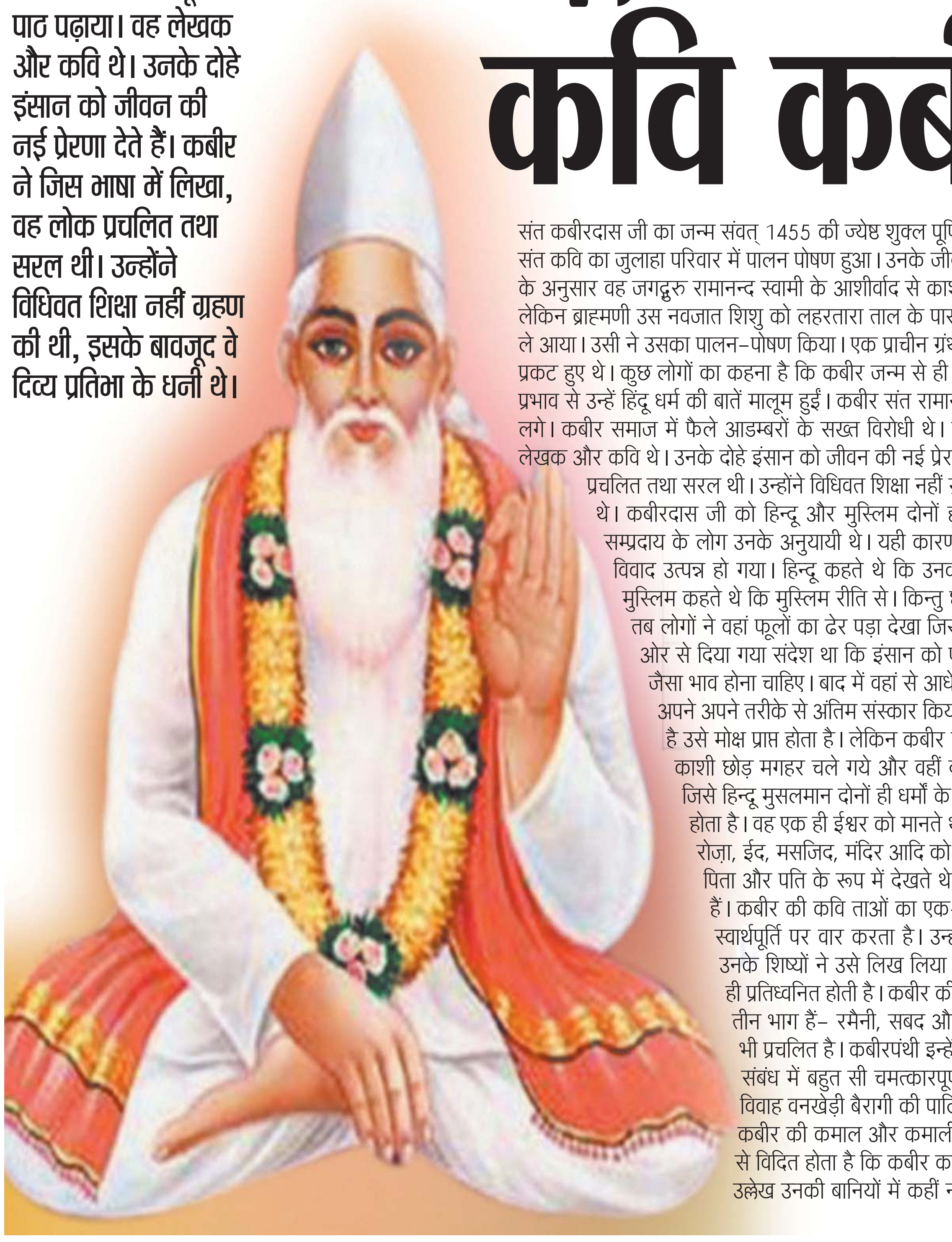

संत कबीरदास जी का जन्म संवत् 1455 की ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा को हुआ था। काशी के इस अक्खड़, निडर एवं संत कवि का जुलाहा परिवार में पालन पोषण हुआ। उनके जीवन के बारे में कई तरह की मान्यताएं हैं जिनमें एक के अनुसार वह जगद्गुरु रामानन्द स्वामी के आशीर्वाद से काशी की एक विधवा ब्राह्मणी के गर्भ से उत्पन्न हुए थे लेकिन ब्राह्मणी उस नवजात शिशु को लहरतारा ताल के पास फेंक आयी। उसे नीरु नाम का जुलाहा अपने घर ले आया। उसी ने उसका पालन-पोषण किया। एक प्राचीन ग्रंथ के अनुसार भक्तराज प्रहलाद ही कबीर के रूप में प्रकट हुए थे। कुछ लोगों का कहना है कि कबीर जन्म से ही मुसलमान थे और युवावस्था में स्वामी रामानन्द के प्रभाव से उन्हें हिंदू धर्म की बातें मालूम हुईं। कबीर संत रामानंद के शिष्य बने गये और समाज में अलख जगाने लगे। कबीर समाज में फैले आडम्बरों के सख्त विरोधी थे। उन्होंने सबको एकता के सूत्र का पाठ पढ़ाया। वह लेखक और कवि थे। उनके दोहे इंसान को जीवन की नई प्रेरणा देते हैं। कबीर ने जिस भाषा में लिखा, वह लोक प्रचलित तथा सरल थी। उन्होंने विधिवत शिक्षा नहीं ग्रहण की थी, इसके बावजूद वे दिव्य प्रतिभा के धनी थे। कबीरदास जी को हिन्दू और मुस्लिम दोनों ही सम्प्रदायों में बराबर का सम्मान प्राप्त था। दोनों सम्प्रदाय के लोग उनके अनुयायी थे। यही कारण था कि उनकी मृत्यु के बाद उनके शव को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया। हिन्दू कहते थे कि उनका अंतिम संस्कार हिन्दू रीति से होना चाहिए और मुस्लिम कहते थे कि मुस्लिम रीति से। किन्तु छीना झपटी में जब उनके शव पर से चादर हट गई तब लोगों ने वहां फूलों का ढेर पड़ा देखा जिसे सभी धर्मों में समानता प्राप्त है। यह कबीर जी की ओर से दिया गया संदेश था कि इंसान को फूलों की तरह होना चाहिए, सभी धर्मों के लिए एक जैसा भाव होना चाहिए। बाद में वहां से आधे फूल हिंदुओं ने ले लिये और आधे मुस्लिमों ने और अपने अपने तरीके से अंतिम संस्कार किया। काशी के बारे में कहा जाता है कि जो यहां मरता है उसे मोक्ष प्राप्त होता है। लेकिन कबीर इस बात को नहीं मानते थे। अपने अंतिम समय वह काशी छोड़ मगहर चले गये और वहीं देह त्याग किया। मगहर में ही कबीर की समाधि है जिसे हिन्दू मुसलमान दोनों ही धर्मों के लोग पूजते हैं।कबीर का अर्थ अरबी भाषा में महान होता है। वह एक ही ईश्वर को मानते थे और कर्मकाण्ड के घोर विरोधी थे। अवतार, मूर्ति, रोज़ा, ईद, मसजिद, मंदिर आदि को वह नहीं मानते थे। कबीर परमात्मा को मित्र, माता, पिता और पति के रूप में देखते थे क्योंकि यही लोग मनुष्य के सर्वाधिक निकट रहते हैं। कबीर की कवि ताओं का एक-एक शब्द पाखंडवाद और धर्म के नाम पर ढोंग व स्वार्थपूर्ति पर वार करता है। उन्होंने स्वयं ग्रंथ नहीं लिखे, उन्होंने जो मुंह से बोला उनके शिष्यों ने उसे लिख लिया। कबीर के समस्त विचारों में राम-नाम की महिमा ही प्रतिध्वनित होती है। कबीर की वाणी का संग्रह बीजक के नाम से प्रसिद्ध है। इसके तीन भाग हैं- रमैनी, सबद और साखी। इनके नाम पर कबीरपंथ नामक संप्रदाय भी प्रचलित है। कबीरपंथी इन्हें एक अलौकिक अवतारी पुरुष मानते हैं और इनके संबंध में बहुत सी चमत्कारपूर्ण कथाएं भी सुनी और सुनाई जाती हैं। कबीर का विवाह वनखेड़ी बैरागी की पालिता कन्या लोई के साथ हुआ था। कहा जाता है कि कबीर की कमाल और कमाली नाम की दो संतानें थीं। ग्रंथ साहब के एक श्लोक से विदित होता है कि कबीर का पुत्र कमाल उनके मत का विरोधी था। कमाली का उल्लेख उनकी बानियों में कहीं नहीं मिलता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना वायरस एक कृत्रिम भयानक स्थिति, चीन ने जो किया अमेरिका उसे कभी नहीं भूलेगा: ट्रंप

न्यूयार्क (एजेंसी):

कोरोना वायरस को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का चीन के प्रित गुस्सा सातवें आसमान पर है। ट्रंप इस महामारी से दुनिया में मची तबाही के लिए चीन को जिम्मेदार मानते हैं । यही वजह है कि वह कई बार वैश्विक मंचों से भी कोरोना को चीनी वायरस भी कह चुके हैं । उनका दावा है कि चीन की वुहान लैब से कोरोना वायरस पूरी दुनिया में फैला है। ट्रंप ने एक बार फिर से चीन पर निशाना साधते हुए कहा है कि चीन ने जो किया है उसे अमेरिका कभी नहीं भूलेगा। राष्ट्रपति चुनाव के लिए एक रैली के दौरान ट्रंप ने कहा कि चीन में क्या हो रहा है, किसी ने कभी नहीं देखा है । लेकिन अमेरिका ने कोरोना की वजह से बहुत कुछ गंवाया है। किसी ने भी कभी नहीं सोचा था कि ऐसा होगा। ट्रंप ने कहा कि खराब हालात के बावजूद हमने कोरोना से पहले तक उनसे बहुत बेहतर किया है। हम कोरोना से उभररहे हैं लेकिन 2.2 लाख लोगों की जान गंवाने के बाद। हमने 2 लाख से अधिक लोगों को खो दिया है। ट्रंप ने कहा कि देश में कोरोना के प्रकोप से पहले अमेरिका के पास सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी। उन्होंने वायरस को एक कृत्रिम भयानक स्थिति भी कहा। ट्रंप ने कहा कि हम एक साथ आ रहे थे। जो चीज हमारे देश को चीन के साथ लाने जा रही थी वह सफलता थी। यह तब तक हो रहा था जब तक कि कृत्रिम और भयानक बीमारी(स्थिति) नहीं आई थी लेकिन चीन की साजिश ने सब बिगाड़ दिया। ट्रंप दावा किया कि अमेरिका चीन की उस नब्ज पर हमला कर रहा है जहां अब तक नहीं किया था। उत्तर कैरोलिना में आयोजित एक चुनावी रैली में ट्रंप ने कहा, 'हमने बेरोजगारी के क्षेत्र पर निशाना साधा है हम चीन को उस स्तर पर मात दे रहे हैं जहां पहले कभी नहीं दिया था। मैं उनपर टैरिफ लगा रहा हूं और वे नहीं जानते कि क्या करना है।

दुनिया में 4 करोड़ कोरोना संक्रमित: रूस ने बना ली तीसरी वैक्सीन, भारत में भी टीकाकरण की तैयारी

(एजेंसी):

दुनिया में लगभग 4 करोड़ लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। शुक्रवार को विश्व के कोरोना आंकड़ों में 40 हजार की वृद्धि देखी गई, जिसने एक दिन में बढ़ने वाले सबसे ज्यादा मामलों का रिकॉर्ड बना लिया। अमेरिका कोरोना वायरस के 80 लाख मामले हैं। दूसरी ओर यूरोप में इटली और जर्मनी से लेकर पुर्तगाल तक कोरोना के रिकॉर्ड मामले दर्ज किए गए, जिसके कारण कुछ देशों को फिर से लॉकडाउन लगाने के लिए मजबूर होना पड़ा। कोरोना वायर की रोकथाम के लिए जहां कई देशों में अभी भी वैक्सीन बनाने की होड़ चल रही है वहीं रूस ने इसकी तीसरी वैक्सीन भी तैयार कर ली है। रूस कोरोना वायरस का टीका बनाने वाला पहला देश है। रूस ने 2 अगस्त को दुनिया की पहली वैक्सीन स्पुतनिक-वी (**Sputnik-V**) को मंजूरी दी थी। 14 अक्तूबर को रूस ने दूसरी कोरोना वैक्सीन एपिवैककोरोना (**EpiVac-Corona**) को तीसरे ट्रॉयल के बाद मार्केट में उतार दिया था । इसी बीच खबरें आ रही हैं कि रूस ने कोरोना की तीसरी वैक्सीन भी तैयार कर ली है।

तीसरी रूसी कोरोना वैक्सीन को दिसंबर तक मिलेगी मंजूरी

खबरों के मुताबिक, चुमाकोव सेंटर ऑफ रशियन एकेडमी ऑफ साइंसेज में रूस की तीसरी कोरोना वैक्सीन बनाई जा रही है, जिसे दिसंबर 2020 तक मंजूरी दी जा सकती है। फिलहाल पहले ट्रॉयल में 15 वॉलंटियर्स को यह वैक्सीन दी जा चुकी है, जिसमें किसी तरह की गंभीर साइड-इफैक्ट्स देखने को नहीं मिले। उम्मीद है कि वैक्सीन का तीसरा ट्रॉयल दिसंबर तक पूरा हो जाएगा।

दूसरी वैक्सीन का ट्रायल सफल

रूस का दावा है कि उनकी दूसरी वैक्सीन एपिवैककोरोना (**EpiVacCorona**) का तीसरी ट्रॉयल भी सफल रहा। इस वैक्सीन का ट्रॉयल 100 वॉलंटियर्स पर किया था, जिसमें कोई साइड-इफैक्ट सामने ना आने के बाद इसे मंजूरी दे दी गई। खबरों के मुताबिक, रूस के उप प्रधानमंत्री ततयाना गोलिकोवा ने भी दूसरी वैक्सीन ली थी। अब देशभर से 40 हजार लोगों को एपिवैककोरोना वैक्सीन के अगले चरण के ट्रायल के लिए चुना जाएगा।

भारत में भी जल्द उपलब्ध होगी वैक्सीन

रूस के बाद भारत, अमेरिका, ब्रिटेन में भी कोरोना वैक्सीन का आखिर ट्रायल चल रहा है, जिसके रिजल्ट काफी पॉजिटिव मिले है। सफलता मिलने के बाद ही भारत में टीकाकरण अभियान शुरू किया जा सकेगा। विशेषज्ञ समिति ने केंद्रीय एजेंसियों और राज्यों से इनपुट्स लेकर टीकाकरण का ड्राफ्ट तैयार कर लिया है, जिसमें बताया गया है कि पहले किन लोगों को टीकाकरण में प्राथमिकता दी जाएगी। ड्राफ्ट के मुताबिक, टीकाकरण अभियान के पहले चरण में देश की 23% आबादी को शामिल किया जाएगा .

चीन में इंपोर्टेड फ्रोजन मछली की बाहरी पैकेजिंग पर मिला जीवित कोरोना वायरस

बीजिंग:

चीन के क्गिंदाओ शहर पोर्ट में इंपोर्टेड फ्रोजन समुद्री मछली की बाहरी पैकेजिंग पर जीवित कोरोना वायरस मिला है। चीनी सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (CDC) ने शनिवार को एक बयान में कहा कि चीन के स्वास्थ्य प्रशासन ने क्विंगदाओ बंदरगाह शहर में आयातित प्रशीतित समुद्री मछली के पैकेट की बाहरी सतह पर जीवित कोरोना वायरस मिलने की पुष्टि की है। 'चाइनीज सेंटर फोर डिजीज कंट्रोल एडं प्रिवेंशन' (CDC) ने शनिवार को एक बयान में बताया कि दुनिया में यह पहला मौका है जब प्रशीतित खाद्य पैकेट की बाहरी सतह पर जिंदा कोरोना वायरस मिला है। शहर में हाल ही में कोविड-19 मामलों का एक 'क्लस्टर' सामने आया। प्रशासन ने अपने सभी करीब 1.1 करोड़ नागरिकों की जांच करायी लेकिन कोई नया ऐसा 'क्लस्टर' नहीं पाया गया। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि परीक्षणों के बाद मामलों का कोई नया समूह नहीं मिला। जुलाई में चीन ने पैकेजों पर घातक वायरस और एक कंटेनर की आंतरिक दीवार के पाए जाने के बाद जमे हुए झींगा के आयात को रोक दिया था। ष्टष्ठष्ट ने कहा कि इसने क्गिंदाओ में इंपोर्टेड जमे हुए कॉड की बाहरी पैकेजिंग पर जीवित वायरस का पता लगाया और अलग किया। शहर में हाल ही में सामने आए संक्रमणों के स्रोत का पता लगाने के लिए जांच के दौरान यह खोज की गई थी। उन्होंने कहा कि इससे साबित होता है कि जीवित कोरोना वायरस द्वारा दूषित पैकेजिंग संपर्क में आने से संक्रमण हो सकता है। हालांकि, बयान में उस देश का उल्लेख नहीं किया गया है जहां से पैकेज इंपोर्ट किया गया था। बता दें कि चीन के बाजार में कोल्ड-चेन फूड सर्कुलेटिंग का जोखिम कोरोना वायरस से दूषित हो रहा है, जो व्यवसाय से लिए गए नमूनों के हालिया न्यूक्लिक एसिड परीक्षण परिणामों का हवाला देते हुए बहुत कम है। 15 सितंबर तक देश के 24 प्रांतीय स्तर के क्षेत्रों में कुल 2.98 मिलियन नमूनों का परीक्षण किया गया था, जिसमें 670,000 कोल्ड-चेन फूड या फूड पैकेजिंग से लिया गया था।

क्वाड देशों की रणनीति से बढ़ी चीन की टेंशन, आसियान से दोस्ती के लिए शुरू की सद्भावना यात्रा

(एजेंसी):

भारत-अमेरिका सहित दुनिया के कई बड़े देशों के साथ संबंध बिगाड़ चुका चीन टोक्यो में हुई चार क्वाड देशों की बैठक के बाद टेंशन में है। इसके अलावा अमेरिकी नौसेना की क्षेत्र में बढ़ती आमद से भी चीन की धड़कनें बढ़ गई हैं। अब वह अपनी धौंस दिखाने की आदत को भूल फिलहाल दोस्ती का नाटक करने लगा है। इसी कड़ी में अब वह दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों (आसियान) के साथ संबंध सुधारने की कोशिश में जुटा है क्योंकि दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती हरकतों का जवाब देने के लिए ये देश भी अमेरिका को समर्थन देते दिख रहे हैं। टोक्यो में क्वाड देशों की बैठक के बाद उसके विदेश मंत्री वांग ई ने आसियान देशों की यात्रा शुरू की है। इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, वियतनाम समेत इलाके के अन्य देशों के साथ चीन वर्षों से मनमानी कर रहा है। दक्षिण चीन सागर पर अधिपत्य जमाने के साथ ही चीन ने इन देशों के द्वीपों पर भी अधिकार जताना शुरू कर दिया है। मछली पकड़ने के मामले में हाल के दिनों में चीन का वियतनाम और मलेशिया से विवाद भी हुआ है। इन विवादों की काली छाया खत्म करने के लिए वांग ई आसियान देशों की सद्भावना यात्रा पर निकले हैं। इस दौरान वह कोविड-19 महामारी से बचाव के लिए वैक्सीन मुहैया कराने और आर्थिक सहयोग बढ़ाने जैसे आश्वासन दे रहे हैं। इस कूटनीति में चीन इन देशों को अमेरिका से दूर रहने का संदेश भी दे रहा है।

भारत-ताइवान के तेवर से बौखलाया चीन, दक्षिण-पूर्वी तट पर बढ़ाई आर्मी की तैनाती

बीजिंग: ताइवान सरकार अपने आपको एक आजाद देश के तौर पर देखती है जबकि चीन पूरी तरह से ताइवान को अपना हिस्सा मानता है। ताइवान की राष्ट्रपति ताई इंग-वेन ने राष्ट्रीय दिवस पर अपने संबोधन में लद्दाख स्थित वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चल रहे सैन्य तनाव को लेकर चीन पर निशाना साधा जिससे चीन बौखलाया हुआ है। ताइवान के विदेश मंत्री जोसेफ वू ने हाल ही में चीन के नापाक इरादों की पोल खोल दी थी। चीनी मीडिया की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अगर चीन के साथ सीमा वार्ता पर ताइवान का सवाल उठाता है तो चीन कार्रवाई करेगा। ग्लोबल टाइम्स के मुताबिक चीनी विशेषज्ञ ने ताइवान और भारत के करीबी संपर्क के बाद हिंद महासागर में परिवहन जोखिमों की चेतावनी दी है। साथ ही कहा है कि अगर चीन के साथ सीमा वार्ता पर भारत अगर ताइवान का सवाल उठाता है तो चीन कार्रवाई करेगा। यही नहीं ताइवान के साथ जारी तनाव को देखते हुए चीन ने दक्षिण-पूर्वी तट में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की उपस्थिति को बढ़ा दिया है। रक्षा पर्यवेक्षकों के अनुसार ताइवान के संभावित सैन्य आक्रमण के लिए चीन पूरी तरह से तैयार है। उल्लेखनीय है कि हाल के वर्षों में चीन ने ताइवान के आसपास सैन्य अभ्यास को भी बढ़ा दिया है। सूत्रों के अनुसार बीजिंग अपने पुराने डीएफ-11ह्य और डीएफ-15ह्य की जगह इस क्षेत्र में अपनी सबसे उन्नत हाइपरसोनिक मिसाइल डीएफ-17 तैनात कर रहा है। डीएफ-17 हाइपरसोनिक मिसाइल से धीरे-धीरे पुराने डीएफ-11ह्य और डीएफ-15ह्य को बदल देगी जो दशकों से दक्षिण-पूर्व क्षेत्र में तैनात थे। यह नई मिसाइल की एक लंबी रेंज है और लक्ष्य को अधिक सटीक रूप से हिट करने में सक्षम है। भले ही ताइवान को चीन की सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा कभी भी नियंत्रित नहीं किया गया है, लेकिन चीन पूरी तरह से ताइवान को अपना हिस्सा मानता है।

गिलगित-बाल्टिस्तान में पाकिस्तान सरकार के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन

पेशावर: गिलगित-बाल्टिस्तान में पाकिस्तान सरकार के खिलाफ लोग फिर सड़कों पर उतर आए हैं और खुल कर विरोध कर रहे हैं। गिलगित-बाल्टिस्तान के लोगों की मांग है कि अवैध हिरासत में रखे सक्रिय कार्यकर्ताओं और अन्य निर्दोषों को रिहा किया जाए। प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान के स्थानीय प्रशासन और संघीय सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा कि गिलगित बाल्टिस्तान के लोगों को इस्लामाबाद द्वारा अंधाधुंध बर्बरता से मारा जा रहा है। किसी भी मांग या असंतोष को क्रूरता के साथ दबाया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि नवंबर के निर्धारित चुनावों से पहले सभी कैदियों को रिहा नहीं किया तो वे और उग्र प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे । इससे पहले भी कराची के गिलगित बाल्टिस्तान यूथ अलायंस के एक नेता ने कहा था कि हम तब तक हार नहीं मानने वाले हैं, जब तक सभी कार्यकर्ता जेलों से छूट नहीं जाते। हम सभी गिरफ्तार होने के लिए तैयार हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हम असेरन-ए-हुनजा रिहाई समिति के अगले कदम की प्रतीक्षा कर रहे हैं इसकी रजामंदी मिलते ही हम डायमर, दारेल से लेकर खुन्जेरब सीमा तक व्यापक विरोध प्रदर्शन करेंगे। हम कराची, लाहौर और इस्लामाबाद में भी प्रदर्शन करेंगे। अगर जरूरत पड़ी तो हम हड़ताल पर जाएंगे। बता दें कि पाकिस्तान ने गिलगिट-बाल्टिस्तान में 15 नवंबर को विधानसभा एसेम्बली चुनाव कराने की घोषणा की है।

इमरान का पलटवार-जिया उल हक के जूते पॉलिश कर राजनीति में आए थे नवाज शरीफ

इस्लामाबाद: पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के पाकिस्तानी सेना प्रमुख बाजवा पर चुनाव में धांधली करने और इस्लामाबाद में कठपुतली सरकार स्थापित करने के बयान पर प्रधानमंत्री इमरान खान ने पलटवार किया है। नवाज शरीफ पर निशाना साधते हुए इमरान ने कहा कि पीएमएल-एन सुप्रीमो 1980 में मॉर्शल लॉ के दौरान जनरल जिया उल हक के जूते पॉलिश करके राजनीति में आए थे। इसके अलावा उन्होंने नवाज पर और भी कई आपत्तिजनक टिप्पणियां की। उन्होंने कहा कि शरीफ उस सेना के खिलाफ बोल रहे है, जो सेना राष्ट्र के लिए अपना बलिदान दे रही है। तीन बार देश के प्रधानमंत्री रहे 70 वर्षीय नवाज शरीफ को 2017 में अदालत ने सत्ता से बेदखल कर दिया था। इसके बाद उन्होंने पहली बार सीधे तोर पर सेना प्रमुख जनरल क़मर जावेद बाजवा और आईएसआई प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फ़ैज़ हमीद के साथ प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ बयान दिया है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने देश की सेना और खुफिया एजेंसी आईएसआई पर उन्हें अपदस्थ करने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इन दोनों ने इमरान खान को सत्ता में लाकर अपनी कठपुतली सरकार बनवाई है। शरीफ लाहौर से लगभग 80 किमी दूर गुजरांवाला में 11 विपक्षी दलों के गठबंधन पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (**PDM**) को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने शुक्रवार देर रात लंदन से वीडियो लिंक के माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित किया। सैन्य नेतृत्व पर निशाना साधते हुए शरीफ ने कहा कि सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने मेरी सरकार को खत्म कर दिया। उन्होंने 2018 के चुनावों में धांधली की और नाकाबिल इमरान खान को देश पर थोप दिया।

तालिबान को समझौता मानना ही होगा, भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को नहीं होगा नुकसान: अब्दुल्ला अब्दुल्ला

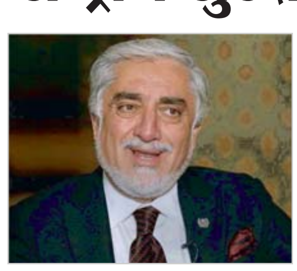

काबुल (एजेंसी)।

कांधार के पुलिस प्रमुख जनरल अब्दुल राजिक की दूसरी पुण्यतिथि पर पर अफगानिस्तान की राष्ट्रीय सुलह परिषद के प्रमुख अब्दुल्ला अब्दुल्ला ने कहा कि शांति प्रयासों के तहत किया गया समझौता तालिबान को मानना ही होगा। उन्होंने कहा कि तालिबान की हिंसा के जरिए वापसी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने कहा यदि तालिबान ये समझ रहे हैं कि वे अंतरराष्ट्रीय सेना की वापसी के बाद दोबारा लौट आएंगे तो यह उनकी गलतफहमी है। अफगानिस्तान की जनता उनके इरादों को सफल नहीं होने देगी। अब्दुल्ला ने हेलमंद प्रांत मे निरीह जनता के बीच हिंसा करने वालों की निंदा की,कहा कि दोनों में से कोई भी पक्ष मारकाट और खूनखराबे से अपना लक्ष्य प्राप्त नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, 'शांतिपूर्ण समझौता भारत समेत किसी भी देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हानिकारक नहीं होगा और होना भी नहीं चाहिए। भारत एक ऐसा देश है जिसने अफगानिस्तान की मदद की है, अफगानिस्तान में योगदान दिया है। यह अफगानिस्तान का मित्र है।' नई दिल्ली में इस तरह की आशंकाएं हैं कि यदि तालिबान और अफगान सरकार के बीच किसी संभावित शांति समझौते के बाद आतंकवादी समूह फिर से राजनीतिक दबदबा हासिल करता है तो पाकिस्तान जम्मू कश्मीर में सीमापार आतंकवाद को बढ़ाने के लिए तालिबान पर अपने असर का इस्तेमाल कर सकता है। अब्दुल्ला ने कहा, 'अगर कोई आतंकवादी समूह अफगानिस्तान में किसी भी तरह की पकड़ रखता है तो यह हमारे हित में नहीं है। समझौता ऐसा होना चाहिए जो अफगानिस्तान की जनता को स्वीकार्य हो। यह गरिमापूर्ण, टिकाऊ और दीर्घकालिक होना चाहिए।'

अफगानिस्तान में कार बम विस्फोट, 12 लोगों की मौत व 100 से अधिक जख्मी

काबुल। अफगानिस्तान के पश्चिमी घोर प्रांत में रविवार को आत्मघाती कार बम हमले में करीब 12 लोगों की मौत हो गई और 100 से अधिक लोग जख्मी हो गए। घोर में अस्पताल के प्रमुख मोहम्मद उमर ललजाद ने कहा कि आपातकालीन विभाग के कर्मचारी गंभीर एवं सामान्य रूप से जख्मी हुए लोगों का इलाज कर रहे हैं। उन्होंने मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई है। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता तारिक आरन ने कहा कि कार बम हमला प्रांतीय पुलिस प्रमुख के कार्यालय के प्रवेश द्वार पर किया गया। घोर में हमले की किसी ने फिलहाल जिम्मेदारी नहीं ली है। कतर में तालिबान और अफगानिस्तान सरकार के प्रतिनिधियों के बीच वार्ता जारी रहने के बीच यह हमला हुआ है। देश में दशकों से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए यह वार्ता हो रही है।

वियनताम में भारी बारिश व भूस्खलन से तबाही, आर्मी के 22 जवान लापता

इंटरनेशनल डेस्क: वियनताम में भारी बारिश ने भारी तबाही मचा रखी है । बारिश के कारण हुए भूस्खलन में आर्मी ब्रेकर्स (**Army barracks**) से 22 जवान लापता हो गए हैं। पिछले दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश के चलते यहां पर बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अगले हफ्ते तक यहां पर भारी बारिश की आशंका है। मध्य वियतनाम में पिछले हफ्ते से अब तक बाढ़ में कम से कम 36 लोगों की जान जा चुकी है। बता दें कि पिछले दिनों वियतनाम में एक दर्दनाक हादसा हो गया था। यहां बचाव दल ने भूस्खलन की चपेट में आए 11 सैन्यकर्मियों और दो अन्य लोगों के शव बरामद किए थे ।ये कर्मी भूस्खलन की दूसरी घटना के पीड़ितों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन इस दौरान ये खुद दर्दनाक हादसे का शिकार हो गए, जिसमें इनकी मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सेना के अधिकारी मंगलवार को वन रेंजर की एक चौकी पर आराम कर रहे थे, जब एक पहाड़ी का हिस्सा ढह गया, जिसकी चपेट में चौकी आ गई। टीम के केवल आठ लोग ही बचने में कामयाब रहे। वे थुआ थिएन-ह्यू प्रांत में एक पनबिजली संयंत्र के निर्माण स्थल पर जा रहे थे, जहां हुए भूस्खलन में दर्जनों लोग लापता हो गए थे। यहां हालात कब बिगड़ जाएं कहा नहीं जा सकता है।

ताइवान राष्ट्रपति त्साई की भारत में लोकप्रियता से चीन को हुई जलन

(एजेंसी) :

भारत-चीन के बीच सीमा विवाद को लेकर तनाव अपने चरम पर है । इस बीच चीन के ताइवान के साथ संबंध तेजी से बिगड़ रहे हैं। ऐसे में ताइवान का भारत की तरफ झुकाव बढ़ा है। ताइवान की राष्ट्रपति त्साई इंग वेन की भारत में लोकप्रियता एक आंख नहीं रास आ रही है । सोशल मीडिया ने चीन की इस जलन को और भड़काने का काम किया है। सोशल मीडिया पर ताइवान की राष्ट्रपति त्साई इंग वेन के भारत के प्रति गहरे प्रेम की खबरों से चीन जलभुन गया और दोनों देशों को धमकी देने पर उतर आया है। दरअसल ताइवान की राष्ट्रपति ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर बताया कि उन्हें भारतीय खाना और चाय और यहां की जीवंतता से भरी जिंदगी बहुत पसंद है। ताइवान की राष्ट्रपति को भारतीय व्यंजन कितने पंसद हैं और इसमें भी कौन सा व्यंजन उनका सबसे पसंदीदा है जिसे खाने के लिए वे अक्सर भारतीय रेस्टोरेंट का रुख करती हैं। ताइवान की राष्ट्रपति त्साई ने सोशल मीडिया ट्विटर पर कहा, 'ताइवान भाग्यशाली है कि यहां पर कई भारतीय रेस्त्रां हैं और ताइवान की जनता उन्हें प्यार करती है। मैं खुद हमेशा चना मसाला और नान खाने के लिए जाती हूं। जबकि चाय मुझे हमेशा मेरी भारत यात्रा के दिनों और जीवंत, विविध और रंगों से भरे देश की याद दिलाती है। चीन का भारत-ताइवान के प्रति गुस्सा तब और बढ़ गया जब भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ताइवान के राष्ट्रपति द्वारा जन्मदिन की बधाई दी गई । ताइवान राष्ट्रीय दिवस ने चीन के गुस्से को चरम पर पहुंचा दिया। चीन ने भारतीय और ताइवानी ट्विटर उपयोगकर्ताओं के बीच एकजुटता में बाधा बनने की कोशिश भी की लेकिन इससे ताइवान समर्थक अभियान और अधिक भड़क गया। बता दें कि भारतीय राजनेता तजिंदर पाल बग्गा ने 7 अक्टूबर को नई दिल्ली के चाणक्यपुरी में चीनी दूतावास के बाहर एक पोस्टर प्रदर्शित किया जिसमें ताइवान के राष्ट्रीय दिवस पर ताइवान के नागरिकों को शुभकामनाएं दी गई । इसके बाद नई दिल्ली में चीनी दूतावास के बाहर प्रदर्शित पोस्टर की एक तस्वीर को साझा करते हुए, ताइवान के उपराष्ट्रपति ने ट्विटर पर अपनी खुशी को बयां करते हुए ट्वीट किया - ÷हमारे झंडे को ऊंची उड़ान भरते हुए देखना और दुनिया भर में पहचाना जाना हमारी इच्छा है। हम इतने सारे देशों के लोगों को धन्यवाद देते हैं जिन्होंने आज बधाई और समर्थन व्यक्त किया। खासकर हमारे भारतीय मित्र का। नमस्ते!

प्रमुख अंग्रेजी समाचार चैनल **WION** के अलावा कई टीवी और ऑनलाइन प्लेटफार्मों पर इस समाचार को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया। कई चैनलों ने ताइवान राष्ट्रीय दिवस पर एक विशेष कार्यक्रम भी प्रसारित किया। इसके अलावा दो प्रमुख दैनिक समाचार पत्रों इंडियन एक्सप्रेस और द स्टेट्समैन ने राष्ट्रीय दिवस की कामना करते हुए पूरे पृष्ठ के विज्ञापन दिए। इसी प्रकार, एक अन्य प्रमुख समाचार प्रसारणकर्ता ने ताइवान के राष्ट्रीय दिवस से ठीक पहले ताइवान के विदेश मंत्री जोसेफ वू के साथ एक साक्षात्कार भी प्रसारित किया। जैसे ही साक्षात्कार का प्रसारण किया गया नई दिल्ली में चीनी दूतावास में प्रेस काउंसलर जी रॉन्ग ने एक बयान जारी किया जिसमें कहा गया कि 'तथाकथित ताइवान के विदेश मंत्री' का साक्षात्कार और ताइवान डीपीपी प्राधिकरण अलगाववादी गतिविधियों के लिए मंच का उपयोग करते हुए । यहीं नहीं भारत में चीनी दूतावास ने 7 अक्टूबर की रात एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर मीडिया हाउस और पत्रकारों से कहा कि वे ताइवान के नेशनलडे पर कवरेज के लिए समय या स्थान प्रदान करने से परहेज करें।

अन्तर्राष्ट्रीय साँस्कृतिक ओलम्पियाड 'सेलेस्टा इण्टरनेशनल–2020' का भव्य समापन

लखनऊ (एजेंसी)। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अलीगंज (प्रथम कैम्पस) द्वारा ऑनलाइन आयोजित चार दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय साँस्कृतिक ओलम्पियाड 'सेलेस्टा इण्टरनेशनल–2020' पूरे विश्व में एकता व शान्ति को पैगाम पहुँचाने के संकल्प के साथ सम्पन्न हो गया। ऑनलाईन आयोजित पुरस्कार वितरण व समापन समारोह में रंगारंग शिक्षात्मक–साँस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रस्तुतिकरण के बीच विभिन्न प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करने वाले देश–विदेश के विजेता छात्रों की घोषणा की गई।

जिंगल प्रतियोगिता में सी.एम.एस. कानपुर रोड कैम्पस के मृणाल सहाय ने प्रथम पुरस्कार जीता है तो वहीं दूसरी ओर स्टैण्ड–अप कॉमेडी प्रतियोगिता में मोन्टफोट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, नई दिल्ली के सक्षम जैन ने प्रथम पुरस्कार अर्जित किया।

इसी प्रकार, सोलो सिंगिंग प्रतियोगिता में सर पद्मपत सिंघानिया स्कूल, कोटा, राजस्थान की अलीना भारती, सेलेस्टा गॉट टैलेन्ट प्रतियोगिता में मोन्टफोट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, नई दिल्ली की भाव्या गुप्ता, कविता पाठ प्रतियोगिता में सी.एम.एस. कानपुर रोड कैम्पस के यशवर्धन भदौरिया, फ्री–स्टाइल/हिप हॉप डांसिग प्रतियोगिता में ओ.डी.एम. पब्लिक स्कूल, उड़ीसा की सुनयना पाल, ट्रेडीशनल फॉक डान्स प्रतियोगिता में सनबीम सनसिटी स्कूल, वाराणसी की अदित अम्बे, वाद्ययंत्र प्रतियोगिता में सर पद्मपत सिंघानिया स्कूल, कोटा, राजस्थान के अनुज चैहान एवं मास्क डिजाइनिंग प्रतियोगिता में सर पद्मपत सिंघानिया स्कूल, कोटा, राजस्थान के हार्दिक चुतवेदी ने प्रथम स्थान अर्जित किया। विदित हो कि सी.एम.एस. अलीगंज (प्रथम कैम्पस) के तत्वावधान में 'सेलेस्टा इण्टरनेशनल–2020' का ऑनलाईन आयोजन 14 से 17 अक्टूबर तक किया गया।

'सेलेस्टा इण्टरनेशनल–2020' के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में बोलते हुए सी.एम.एस. संस्थापक व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. जगदीश गाँधी ने कहा कि हमारी संस्कृति का आधार ही संगीत है और इसमें सभी को एक सूत्र में बांधने की ताकत है। संगीत द्वारा एकता की लहर जो प्रारम्भ हुई है उसे रुकना नहीं चाहिए व पूरे विश्व मे व्याप्त होकर प्रेम और शान्ति फैलानी चाहिए। डा. गाँधी ने आगे कहा कि इस साँस्कृतिक महोत्सव के माध्यम से सी.एम.एस. ने विश्व को एकता के सूत्र में पिरोने का प्रयास किया है,

जिससे आने वाली पीढ़ी एक नये शान्तिपूर्ण विश्व समाज में सांस ले सके।

सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अलीगंज (प्रथम कैम्पस) की वरिष्ठ प्रधानाचार्या एवं सेलेस्टा इण्टरनेशनल–2020 की संयोजिका श्रीमती ज्योति कश्यप ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पियाड को आयोजित करने का उद्देश्य छात्रों की बहुमुखी प्रतिभा का विकास करना है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अगले सेलेस्टा में विश्व के और देशों से बाल कलाकार बड़ी संख्या में प्रतिभाग कर व अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर अन्य छात्रों को भी प्रेरणा देंगे। सेलेस्टा इण्टरनेशनल–2020 की सह–संयोजिका एवं सी.एम.एस. अलीगंज (प्रथम कैम्पस) की प्रधानाचार्या श्रीमती शिवानी सिंह ने देश–विदेश से पधारे बाल प्रतिभागियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि इन मेधावी छात्रों में गजब की प्रतिभा है और यही प्रतिभा एक दिन हमें विश्व एकता व विश्व शान्ति के मुकाम पर पहुँचाएगी।

बलिया हत्याकांड का मुख्य आरोपी लखनऊ से गिरफ्तार

लखनऊ/बलिया (एजेंसी)। उप्र के बलिया जिले के रेवती थाना क्षेत्र के दुर्जनपुर ग्राम में सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान के आवंटन के दौरान एक व्यक्ति की हत्या के मामले में पुलिस के स्पेषल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने रविवार को मुख्य आरोपी को लखनऊ में गिरफ्तार कर लिया।

वहीं बलिया से दो और नामजद आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है।

राज्य के अपर पुलिस महानिदेशक (कानून–व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने बताया कि गिरफ्तार किये गये मुख्य आरोपी धीरेंद्र प्रताप सिंह और नामजद आरोपी संतोष यादव और अमरजीत यादव पर पुलिस ने 50–50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

वहीं एसटीएफ के पुलिस महानिरीक्षक अमिताभ यश ने रविवार को बताया कि बलिया कांड के मुख्य आरोपी धीरेंद्र प्रताप सिंह को राजधानी के पॉलिटेक्निक चैराहे से गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि धीरेंद्र प्रताप सिंह से घटना में प्रयुक्त असलहों के बारे में पूछताछ की जा रही है। उसकी गिरफ्तारी की जानकारी बलिया पुलिस को दी गई है और पूछताछ के बाद उसे बलिया पुलिस के सुपुर्द कर दिया जाएगा।

पुलिस उप महानिरीक्षक सुभाष चन्द्र दुबे ने बताया कि दुर्जनपुर की घटना से संबंधित नामजद आरोपी संतोष यादव और अमरजीत यादव को बलिया शहर कोतवाली के वैशाली क्षेत्र से सुबह गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने बताया कि इन पर 50–50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। उन्होंने बताया कि इस कांड के नामजद आरोपियों की सम्पत्ति गैंगस्टर कानून के अंतर्गत जब्त की जायेगी।

इस मामले में पुलिस पांच आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस ने इस मामले में शनिवार को मुन्ना, राजप्रताप यादव तथा राजन तिवारी को गिरफ्तार किया जबकि शुक्रवार को देवेन्द्र प्रताप सिंह और नरेंद्र प्रताप सिंह को गिरफ्तार किया गया था। अब तक कुल आठ आरोपी गिरफ्तार किये जा चुके हैं।

इस मामले में कुल आठ नामजद व 20 से 25 अज्ञात आरोपी हैं।

गिरफ्तारी से पूर्व मुख्य आरोपी धीरेंद्र प्रताप सिंह का एक कथित वीडियो वायरल हुआ था जिसमें उसने स्वयं को निर्दोष करार देते हुए दावा किया है कि रेवती की घटना में उसके परिवार के एक व्यक्ति की भी मौत हो गई है तथा आधा दर्जन लोग घायल हैं। धीरेंद्र ने शुक्रवार रात जारी वीडियो में स्वयं को पूर्व सैनिक संगठन का अध्यक्ष करार दिया।

उसने घटना को पूर्व नियोजित करार देते हुए कहा है कि उसने बैठक के पहले ही बवाल होने की आशंका जताई थी, लेकिन अधिकारियों ने उसकी बात पर कोई ध्यान नहीं दिया।

बाहुबली विधायक विजय मिश्रा पर सामूहिक दुष्कर्म का मामला भी दर्ज

भदोही (एजेंसी)। भदोही जिले की ज्ञानपुर विधानसभा सीट से विधायक विजय मिश्रा की मुष्किलें कम होने का नाम नहीं ले रहीं हैं। अब उन पर एक युवती ने सामूहिक दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया है। आर्केस्ट्रा में काम करने वाली एवं वाराणसी की निवासी युवती के अनुसार विधायक ही नहीं उनके बेटे और परिवार के ही एक अन्य युवक ने भी उसके

साथ दुराचार किया। विधायक की ताकत के कारण पहले वह डर कर मुंबई चली गई थी। युवती की तहरीर पर विधायक समेत तीनों के खिलाफ गोपीगंज थाने में गैंगरेप का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

भदोही के पुलिस अधीक्षक राम बदन सिंह के मुताबिक युवती ने बताया कि 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान उसे टीम के साथ प्रचार–प्रसार के लिए बुलाया गया था। उस दौरान असलहा दिखाकर विधायक ने कई बार उसके साथ दुराचार किया। उनके बेटे विष्णु मिश्रा और परिवार के ही विकास मिश्रा ने भी दुष्कर्म किया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी गई थी। इससे वह डरकर मुंबई चली गई। पीड़िता ने कहा कि इन दिनों उनके जेल में होने पर उसे लगा कि अब उसे न्याय मिलेगा। इस पर वह न्याय की गुहार लगाने आ गई। युवती की षिकायत पर गोपीगंज थाने में विधायक विजय मिश्रा, बेटे विष्णु मिश्रा व विकास मिश्रा के खिलाफ आईपीसी की धाराओं 376डी, 342 व 506 के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। पीड़िता को मेडिकल के लिए जिला अस्पताल ज्ञानपुर भेजा गया है।

मकान में भीषण विस्फोट, तीन की मौत, कई घायल

आगरा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में आगरा के शाहगंज क्षेत्र में रविवार को एक मकान में हुए भीषण विस्फोट के कारण मकान की धवस्त हो गया, जिसमें चार लोगों की मृत्यु हो गई और तीन बच्चों समेत चार लोग घायल हो गए। पुलिस अधीक्षक (सिटी) बोत्रे प्रमोद रोहन के अनुसार शाहगंज के आजमपाड़ा निवासी शेरु के घर में रविवार दोपहर करीब पौने एक बजे अचानक धमका हो गया जिसमें मकान की छत गिर गई और आग लग गई। हादसे में 20 वर्षीय फरमान, 24 वर्षीय शेरु और 28 वर्षीय शकील की मृत्यु हो जबकि 12 साल की आसमा, 13 वर्षीय छोटे, आठ साल का असद

और 50 वर्षीय पच्चा घायल हो गये। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि मृतकों के शरीर के चिथड़े उड़ गए। उन्होंने बताया कि सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है।

उन्होंने बताया कि धमाके की आवाज सुनकर आसपास के इलाके में भी दहशत फैल गई। उन्होंने बताया कि सूचना पर पुलिस और आग बुझाने के लिए दमकल की गाड़ियां जुट गई। उन्होंने बताया गया है प्रथम दृष्टया रसोई गैसे सिलेंडर में रिसाव से आग लगी में वहां रखे पटाखों में धमाका हो गया। विस्फोट के कारण आस–पास के मकानों की दीवार में दरार आ गई हैं। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। उन्होंने बताया कि चमन मंसूरी के नाम मुगल फायर वक्र्स के नाम से पटाखे एवं आतिशबाजी का लाइसेंस गांव मिढ़ाकुर का है। पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है।

राममगन ने दो दर्जन लोगों को दिलायी सपा की सदस्यता

हैदरगढ़ बाराबंकी (एजेंसी)। क्षेत्र के बाज पुरवा मजरे रौली गांव में समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ की एक बैठक संपन्न हुई जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अखिलेश वर्मा ने की तथा इस मौके पर मुख्य अतिथि के रुप में पहुंचे पूर्व विधायक राम मगन रावत ने अन्य पार्टियों को छोड़कर आए दो दर्जन से अधिक लोगों को समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई तथा उनका माला पहनाकर स्वागत किया। समाजवादी पिछड़ा प्रकोष्ठ के विधानसभा अध्यक्ष राज नारायण लोधी के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम में बोलते हुए पूर्व विधायक श्री रावत ने वर्तमान भाजपा सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार मात्र जुमले बाजो की सरकार बन कर रह गई है प्रदेश में बलात्कार हत्या लूट चोरी जैसी घटनाएं आम हो गई हैं जिसे वर्तमान सरकार रोक पाने में पूरी तरह विफल है उन्होंने कुछ दिन पूर्व जिले के सतरिख में घटी घटना का उदाहरण देते हुए कहा कि इस सरकार में बहू बेटियां कतई सुरक्षित नहीं है।

जिलाध्यक्ष अखिलेश वर्मा ने उपस्थित सभी से अपील करते हुए कहा कि आने वाले 2022 में प्रदेश के संपूर्ण विकास हेतु हमें राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के हाथों को मजबूत करते हुए सपा की सरकार बनाना होगा।

कार्यक्रम को वरिष्ठ नेता वेद प्रकाश बाजपेई विधानसभा अध्यक्ष परशुराम यादव संदीप सिंह पंकज यादव बृजेश मिश्रा उमेश यादव ब्लॉक अध्यक्ष राममिलन रावत आदि ने भी संबोधित करते हुए पूर्ववर्ती सपा सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए पार्टी का समर्थन करने की अपील की।

जनता दल यूनाइटेड छोड़कर समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वाली महिला नेत्री प्रमिला सिंह यादव सहित भाजपा बसपा छोड़कर आए परी दीन शिवमंगल मनोज कुमार श्यामलाल सुंदर लोधी मुरली लोधी शेर बहादुर सहित तमाम लोगों ने समाजवादी पार्टी में आस्था व्यक्त करते हुए सदस्यता ग्रहण की।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विनय तिवारी, उमेश यादव, अरविंद यादव, कुल्लूर सिंह, अभिषेक कुमार आदि मौजूद रहे।

सार–समाचार

आज से सभी स्कूल–कॉलेज खुलेंगे

अमेठी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश पर सोमवार से सभी स्कूल और कॉलेज खुलेंगे। इसके लिए जिला विद्यालय निरीक्षक ने देर शाम स्कूल खोलने का आदेश जारी कर दिया है। लेकिन एक से आठ तक के विद्यालय अभी नहीं खुलेंगे। जिला विद्यालय निरीक्षक के आदेश में लिखा है कि कक्षा 9 और 10 के छात्रों की कक्षाएं सुबह साढ़े आठ बजे से साढ़े 11 बजे तक और 11,12 की कक्षाएं बारह बजे से तीन बजे तक संचालित होगी। लेकिन कोरोना बचाव की सभी शर्तों का पालन करना अनिवार्य है। इसके साथ छात्रों के अभिभावकों से सहमत प्रमाणपत्र लेना होगा। जिला विद्यालय निरीक्षक ने कहा कि कोरोना बचाव की शर्तों का उलंघन करने वाले दंडित किए जाएंगे।कोरोना महामारी के कारण पिछले छह महीने से सभी स्कूल कालेज बंद हैं। लेकिन अब उत्तर प्रदेश सरकार ने स्कूल कालेज खोलने का निर्णय लिया है। लेकिन अभी आठ तक के छात्रों को और इंतजार करना पड़ेगा।

अवैध वसूली प्रकरण में जांच के निर्देष

मसौली बाराबंकी (एजेंसी)। आधार कार्ड के संशोधन कार्य में अवैध वसूली एवं अभद्रता पर पीड़ित की शिकायत पर मुख्यमंत्री के विशेष सचिव ने जिला अधिकारी को जांच के दिये निर्देश। जिसको लेकर शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। विकास खण्ड मसौली के बड़ागांव स्थित ब्लॉक संसाधन केन्द्र पर चल रहे आधार कार्ड संशोधन कार्य में 6 अक्टूबर को गांव के ही अजय कुमार अपने बच्चों को लेकर आधार कार्ड के संशोधन कार्य के लिए आये थे। जिसमें आधार कार्ड काउंटर पर नेहा गुप्ता और रमाकान्त द्वारा अवैध वसूली को लेकर 150 रुपए की मांग का आरोप लगाते हुए अभद्रता किये जाने की शिकायत अजय वर्मा ने मुख्यमंत्री से की थी।जिस पर मुख्यमंत्री के विशेष सचिव सुरेंद्र सिंह ने जिला अधिकारी को जांच के आदेश दिया है। जिसको लेकर संसाधन केन्द्र बड़ागांव हड़कंप मचा हुआ है।

साइकिल सवार पति–पत्नी को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, पति की मौत, पत्नी घायल

देवरिया (एजेंसी)। जिले के रामलक्षन–क्षेत्र के सरहसबह गांव के नौका टोला निवासी एक युवक की शनिवार की देर रात सड़क हादसे में मौत हो गई, हादसे में उसकी पत्नी भी घायल है। जानकारी के मुताबिक सरहसबह गांव निवासी उमेश निषाद (33) पुत्र सूरजू निषाद शनिवार की शाम गौरीबाजार अपनी पत्नी के साथ किसी कार्य से गया था। वह पत्नी उषा देवी को साईकिल पर बैठाकर घर वापस आ रहा था। रामलक्षन पेट्रोल के पास किसी वाहन ने ठोकर मार दिया जिससे वह घायल हो गया। पत्नी उषा को भी मामूली चोटें आयी। स्थानीय लोगों ने घायल को रामलक्षन निजी अस्पताल मे भर्ती कराया। स्थिति में सुधार नहीं होता देख परिजन गौरीबाजार निजी अस्पताल मे ले गये। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

लटकता मिला फंदे से विवाहिता का शव

त्रिलोकपुर बाराबंकी (एजेंसी)। थाना जहाँगीराबाद के हजरतपुर दरहरा निवासी तीन बच्चों की मां का शव फांसी के फंदे पर लटकता मिला पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। विवाहिता के बड़े भाई राजेश रावत विवासी डेहवा तहाना जैदपुर के मुताबिक जरीब 15 साल पूर्व उसने अपनी बहन गुड़िया की शादी थाना जहँगीरबाद के हजरतपुर निवासी दीपू के साथ कि थी। इस दौरान पति पत्नी के बीच कोई विवाद सामने नही आया। मृतिका के 3 बच्चे है 12 वर्षीय बेटी और दो बेटे है। बताया कि रविवार को सुबह बताया गया की गुड़िया ने घर के बाहरी हिस्से में बनी एक दीवाल के बिम से लटककर फांसी लगा ली है। पति दीपू के मुताबिक देर रात उसकी पत्नी का शव साड़ी के पल्लू से लटकता देखा गया। मायके पक्ष बताया कि जमीन का विवाद परिवार में चल रहा था एक दिन पूर्व भी कुछ कहा सुनी हुई थी।

गंगा नदी में डूबने से तीन दोस्तों की मौत

बलिया (एजेंसी)। शहर कोतवाली क्षेत्र के शिवरामपुर घाट पर गंगा नदी में नहाने गए तीन दोस्तों की डूबने से मौत हो गई। रविवार सुबह तीनों शव नदी से बरामद कर लिए गए। जानकारी के मुताबिक घोड़हरा निवासी अभिषेक पासवान (17), दीपेंद्र सिंह (19), संदीप यादव (23), लखन साहू (25) और विशाल यादव (16) शनिवार को शिवरामपुर घाट पर नहाने गए थे। सभी दोस्त नहाते समय अचानक डूबने लगे। यह देख वहां स्नान कर रहे दूसरे लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया। लोगों ने लखन व विशाल को गहरे पानी से बाहर खींच लिया, लेकिन अभिषेक, दीपेंद्र और संदीप डूब गए। पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मां चंद्रावली के दरबार में होगा नव चंडी महायज्ञ

अलीगढ़/मथुरा। नारायणी सेना द्वारा मां चंद्रावली के दरबार में नव चंडी महायज्ञ का शुभारंभ और अमृत कलश की स्थापना यथाविधि वेदोचारण मंत्रों द्वारा अचार मनमोहन रामानुज के नेतृत्व में संपन्न हुआ यह नव चंडी महायज्ञ आयोजन 17–10 इसकी पूर्णाहुति 25–10 संपन्न कराया जाएगा और नारायणी सेना का दीक्षांत समारोह दिनांक 26 अक्टूबर 2020 समय 11रू00 से 2रू00 जिसमें गौराष्ट्र और धर्म की रक्षा के हेतू अमृत जल का पान करा कर यज्ञ पुरुष के सम्मुख शपथ दिलाई जाएगी आत्मरक्षा हेतु .पान दी जाएगी। आओ मिलकर नव भारत का निर्माण करें संघे शक्ति कलियुगे जय जननी जय नरसिंह जय अखंड भारत ।

नौकरी का झांसा देकर युवती से डेढ़ लाख ठगे

अलीगढ़(एजेंसी) ।थाना जवां क्षेत्र के गांव आजाद नगर में एक युवती को तीन युवकों ने नौकरी का झांसा देकर उससे डेढ़ लाख रुपये ठग लिए। मामले की रिपोर्ट युवती ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेश पर थाना में दर्ज कराई है।

भावना पुत्री चंद्रपाल निवासी आजाद नगर माजरा छेरत ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि विकास पुत्र प्रमोद निवासी रुद्रपुर बांगर, थाना अनूपशहर,जनपद बुलंदशहर, गांव के ही रवि उर्फ रविंदर का भांजा है । गांव में ही रहता है। गांव के ही बबलू वह हुकुमपाल पुत्र महावीर सिंह विकास के दोस्त हैं, उन्होंने योजनाबद्ध तरीके से उसे बहला–फुसलाकर नौकरी के नाम पर उससे डेढ़ लाख रुपये ले लिए जो उसने अपने पिता की बेची गई जमीन में से दिए थे,

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

जम्मू कश्मीर में विधायक नहीं होने पर केंद्र सरकार सीधी निर्वाचित जिला स्तरीय परिषद बनाएगी

नयी दिल्ली। जम्मू कश्मीर में विधानसभा सदस्य नहीं होने पर केंद्र ने स्थानीय निकायों को मजबूत करने के लिए पंचायती राज कानून में संशोधन किया है जिसके तहत हर जिले में एक नया ढांच बनाया जाएगा और इसे अनेक विकास कार्यों को करने के लिए मतदाताओं द्वारा सीधे चुना जाएगा। जिला विकास परिषद (डीडीसी) में 14 क्षेत्र होंगे और सभी में एक प्रत्यक्ष निर्वाचित सदस्य होगा। कुछ सीटें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। जम्मू कश्मीर पंचायती राज कानून, 1989 में संशोधन के लिए केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त करने के केंद्र सरकार के फैसले के एक साल बाद आदेश जारी किया है। केंद्र सरकार ने नये बने केंद्रशासित प्रदेश में परिसीमन प्रक्रिया की भी घोषणा की। परिसीमन आयोग की स्थापना मार्च में की गयी थी और इसके प्रमुख उच्चतम न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति रंजना देसाई हैं। अधिकारियों के अनुसार ताजा फैसला यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया है कि हर क्षेत्र में लोगों की और अधिक भागीदारी के साथ विकास हो जो पहले विधानसभा के निर्वाचित प्रतिनिधि करते थे। जब तक परिसीमन आयोग रिपोर्ट नहीं देता है तथा चुनाव आयोग नये बने केंद्रशासित प्रदेश जम्मू कश्मीर में चुनाव नहीं कराता है तब तक यह मददगार हो सकता है।

कर्नाटक में बाढ़ के हालात गंभीर, मदद के लिए पहुंची सेना

कलबुर्गी । कर्नाटक के चार जिलों में रविवार को भी बाढ़ के हालात गंभीर बने रहे। यहां कृष्णा और भीम नदी उफान पर हैं और सेना, राज्य एवं राष्ट्रीय आपदा मोचन बल बचाव कार्य कर रहे हैं तथा बाढ़ के बीच फंसे हजारों लोगों को निकाला गया है। मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा ने कहा कि पिछले हफ्ते हुई भारी बारिश के चलते कलबुर्गी, विजयपुरा, यादगिर और रायचूर जिलों में कई गांव बाढ़ के पानी में पूरी तरह से या आंशिक रूप से डूब गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 21 अक्टूबर को वह बाढ़ ग्रस्त इलाकों का हवाई दौरा करेंगे। कर्नाटक आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक, बचाव दलों ने अब तक 20,269 लोगों को बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों से निकाला है। भारी बारिश होने से तथा पड़ोसी महाराष्ट्र में बांधों से पानी छोड़ने के कारण कर्नाटक के चार जिलों के 111 गांव बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ के कारण फसलों को भी नुकसान पहुंचा है।

शाह ने किया साफ, नीतीश ही होंगे बिहार के सीएम, कहा- एलजेपी को ऑफर की थी काफी सीटें

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव में लोजपा के स्टैंड पर भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और गृहमंत्री अमित शाह का बड़ा बयान सामने आया है। अमित शाह से टीवी चैनल न्यूज 18 को दिए साक्षात्कार में पूछा गया कि बिहार में यदि भाजपा की सीटें जदयू से अधिक आती हैं तो क्या पार्टी मुख्यमंत्री पद पर दावेदारी करेगी, इस पर उन्होंने कहा, ''कोई अगर, मगर की बात नहीं है। नीतीश कुमार बिहार के अगले मुख्यमंत्री होंगे। हमने सार्वजनिक घोषणा की है और हम इसे लेकर प्रतिबद्ध हैं।'' इसके साथ ही बिहार में सत्तारूढ़ गठजोड़ से लोक जनशक्ति पार्टी के अलग होने का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि पार्टी को पर्याप्त संख्या में सीटों की पेशकश की गयी लेकिन फिर भी वह गठबंधन से अलग हो गयी। उन्होंने कहा, ''यह उनका फैसला था, हमारा नहीं।

दिल्ली मेट्रो में कोविड-19 नियमों का उल्लंघन करने पर करीब 100 यात्रियों पर लगा जुर्माना

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने कोविड-19 महामारी रोकथाम के लिए लागू नियमों का उल्लंघन करने पर मेट्रो के 98 यात्रियों पर जुर्माना लगाया है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि मेट्रो स्टेशनों पर पुलिसकर्मी कोविड-19 दिशानिर्देशों का उल्लंघन करनेवालों पर नजर रख रहे थे। इसी दौरान मास्क नहीं पहनने वाले और सामाजिक दूरी नियम का उल्लंघन करनेवाले यात्रियों को चालान जारी किया गया। पुलिस उपायुक्त (मेट्रो) जीतेंद्र मणि ने बताया कि पिछले चार दिनों में 1,903 मेट्रो ट्रेनों की जांच हुई और दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने पर 98 चालान जारी किए गये। उन्होंने सुरक्षा के लिए मेट्रो यात्रियों को मास्क पहनने, सामाजिक दूरी बनाए रखने और सैनिटाइजर का इस्तेमाल करने की सलाह दी है।

प्रियंका का सीएम योगी पर तंज, पूछा- बेटी बचाओ या अपराधी बचाओ

लखनऊ। कांग्रेस पार्टी की महासचिव और उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने लखीमपुर खीरी जिले के एक थाने में भाजपा विधायक और उनके बेटे द्वारा आधी रात को कथित बवाल किए जाने को लेकर रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा। प्रियंका ने ट्विटर पर मुख्यमंत्री से सवाल किया, ' क्या यूपी के सीएम बताएंगे कि यह किस मिशन के तहत हो रहा है। बेटी बचाओ या अपराधी बचाओ। इसके साथ ही उन्होंने लखीमपुर खीरी जिले के एक थाने में भाजपा विधायक और उनके बेटे द्वारा 'बवाल' की खबर भी साझा की है। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नवरात्र पर्व पर शनिवार को महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए अभियान मिशन शक्ति की शुरूआत की थी। प्रियंका के ट्वीट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष और विधान परिषद सदस्य विजय बहादुर पाठक ने कहा, उत्तर प्रदेश में अपनी सक्रियता बनाने के लिए प्रियंका गांधी राज्य की घटनाओं को लेकर सरकार पर हमलावर हैं, लेकिन जिस तरह से महिला सशक्तीकरण और राज्य में विकास की रूपरेखा और बेरोजगारों को रोज़गार देने का काम हो रहा है, उस परउनकी नजर नहीं जाती है।

लद्दाख गतिरोध पर बोले शाह, हमारी एक इंच जमीन पर कोई कब्जा नहीं कर सकता

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

लद्दाख में चीन के साथ जारी गतिरोध के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि मोदी सरकार देश की एक-एक इंच जमीन को बचाने के लिए पूरी तरह सजग है और कोई इस पर कब्जा नहीं कर सकता। शाह ने यह भी कहा कि सरकार चीन के साथ गतिरोध को सुलझाने के लिए हरसंभव सैन्य और कूटनीतिक कदम उठा रही है। क्या चीन ने भारतीय क्षेत्र में प्रवेश किया है, इस प्रश्न के जवाब में उन्होंने सीएनएन न्यूज18 से कहा, ''हम अपने एक-एक इंच भूभाग को लेकर चौकन्ने हैं, कोई इस पर कब्जा नहीं कर सकता। हमारे रक्षा बल और नेतृत्व देश की संप्रभुता और सीमा की रक्षा करने में सक्षम हैं।'' गृह मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार देश की संप्रभुता और सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के संदर्भ में शाह ने विश्वास जताया कि राजग दो-तिहाई बहुमत हासिल करेगा। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार चुनाव के बाद राज्य के अगले मुख्यमंत्री होंगे। गृह मंत्री ने कहा कि अगले साल पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद सरकार बदलेगी और भाजपा वहां सत्ता में आएगी। उन्होंने कहा, ''हमें लगता है कि हम पश्चिम बंगाल में मजबूती से लड़ेंगे और सरकार बनाएंगे।'' उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था की स्थिति गंभीर है और भाजपा जैसे राजनीतिक दलों को वहां राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग करने का हर अधिकार है।

शाह ने कहा, ''हालांकि केंद्र सरकार संविधान को ध्यान में रखते हुए और राज्यपाल की रिपोर्ट के आधार पर उचित निर्णय लेगी।'' जब शाह से पूछा गया कि बिहार में यदि भाजपा की सीटें जदयू से अधिक आती हैं तो क्या पार्टी मुख्यमंत्री पद पर दावेदारी करेगी, इस पर उन्होंने कहा, ''कोई अगर, मगर की बात नहीं है। नीतीश कुमार बिहार के अगले मुख्यमंत्री होंगे। हमने सार्वजनिक घोषणा की है और हम इसे लेकर प्रतिबद्ध हैं।'' बिहार में सत्तारूढ़ गठजोड़ से लोक जनशक्ति पार्टी के अलग होने का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि पार्टी को पर्याप्त संख्या में सीटों की पेशकश की गयी लेकिन फिर भी वह गठबंधन से अलग हो गयी। उन्होंने कहा, ''यह उनका फैसला था, हमारा नहीं।'' उत्तर प्रदेश के हाथरस में एक युवती के कथित सामूहिक बलात्कार और उसकी मौत की घटना के बारे में पूछे जाने पर गृह मंत्री ने विपक्ष पर राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि घटना वाले दिन ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया था और सीबीआई जांच चल रही है। उन्होंने कहा, ''हाथरस में बलात्कार हुआ और ऐसी ही घटना राजस्थान में घटी। लेकिन राजनीति केवल हाथरस तक सीमित रही। किसी ने राजस्थान के विषय को नहीं उठाया। हाथरस मामले में आरोपियों को उसी दिन गिरफ्तार कर लिया गया था। एक समिति का गठन जांच के लिए किया गया। सीबीआई भी जांच कर रही है। इस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।'' जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 समाप्त होने के एक वर्ष बाद के हालात के प्रश्न पर शाह ने कहा कि केंद्रशासित प्रदेश में कानून व्यवस्था अब सामान्य है जबकि कोविड-19 के हालात को लेकर स्थिति चुनौतीपूर्ण रही। उन्होंने कहा कि वहां अब उप राज्यपाल मनोज सिन्हा हैं और वह अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचना सुनिश्चित करेंगे। शाह ने

कहा, ''आप वहां पांच-छह महीने में अहम विकास देखेंगे।'' शाह ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पार्टी नेता राहुल गांधी से पूर्व गृह मंत्री तथा कांग्रेस नेता पी चिदंबरम के इस बयान का सार्वजनिक समर्थन करने को कहा कि जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा बहाल होना चाहिए। हिंदी फिल्म जगत में मादक पदार्थों की समस्या के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर शाह ने कहा कि वह दोनों को जोड़ना नहीं चाहते। उन्होंने कहा, ''मादक पदार्थ एक समस्या है और जल्द यह समस्या समाप्त होनी चाहिए।'' शाह ने कहा, ''जहां तक देश से ड्रग्स के संकट को समाप्त करने के लिए बुनियादी ढांचे, कानूनी प्रावधानों और श्रमशक्ति की बात है तो आप आने वाले दिनों में बड़े बदलाव देखेंगे।'' उन्होंने लोगों से कोविड-19 पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह मानने को कहा।

राज्यपाल कोश्यारी को लेकर अमित शाह के बयान पर संजय राउत ने शुक्रिया अदा किया

मुंबई। शिवसेना सांसद संजय राउत ने रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस बयान का स्वागत किया कि महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी राज्य में पूजा स्थलों को फिर से खोलने के लिए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को लिखे पत्र में बेहतर शब्द चुन सकते थे। राउत ने एक टीवी चैनल से बातचीत में यह भी कहा कि शाह के बयान के बाद शिवसेना ने इस मुद्दे को छोड़ दिया है। कोश्यारी ने हाल ही में ठाकरे को राज्य में धर्मस्थलों को फिर से खोलने के लिए पत्र लिखा था और पूछा था कि क्या शिवसेना अध्यक्ष अचानक से धर्मनिरपेक्ष हो गये। इसके बाद राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गये थे। शाह ने शनिवार को एक समाचार चैनल से कहा, ''कोश्यारी बेहतर शब्द चुन सकते थे।''

इस पर राउत ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि शाह देश के गृह मंत्री हैं और जिम्मेदारी तथा सावधानी से बोलते हैं। उन्होंने कहा कि राज भवन और राज्यपाल का कार्यालय संवैधानिक संस्थाएं हैं और गृह मंत्रालय के कार्य क्षेत्र में आते हैं। शिवसेना नेता ने कहा, ''मुख्यमंत्री के जवाब के बाद राज्यपाल का पत्र अनावश्यक विवाद था और हमने इसे शुरू नहीं किया था। हम केंद्रीय गृह मंत्री के रुख से संतुष्ट हैं और हमारी नाराजगी की वजह समझने के लिए उनका शुक्रिया अदा करते हैं।'' राउत ने इस तरह की अटकलों को खारिज कर दिया कि शाह शिवसेना को लेकर नरमी बरत रहे हैं। उन्होंने कहा, ''इसमें कुछ राजनीतिक नहीं है। शाह ने जो बोला, वह संविधान के अनुरूप है।

एलएसी पर शांति अत्यधिक बाधित, भारत-चीन संबंधों पर पड़ रहा असर : जयशंकर

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति और अमन-चैन गंभीर रूप से बाधित हुए हैं और जाहिर तौर पर इससे भारत तथा चीन के बीच संपूर्ण रिश्ते प्रभावित हो रहे हैं। जयशंकर ने पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच पांच महीने से अधिक समय से सीमा गतिरोध की पृष्ठभूमि में ये बयान दिये जहां प्रत्येक पक्ष ने 50,000 से अधिक सैनिकों को तैनात किया है। जयशंकर ने अपनी पुस्तक 'द इंडिया वे' पर आयोजित एक वेबिनार में पिछले तीन दशकों में दोनों पड़ोसी मुल्कों के बीच संबंधों के विकास के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में कहा कि चीन-भारत सीमा का सवाल बहुत जटिल और कठिन विषय है।

विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और चीन के संबंध 'बहुत मुश्किल' दौर में हैं जो 1980 के दशक के अंत से व्यापार, यात्रा, पर्यटन तथा सीमा पर शांति के आधार पर सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से सामान्य रहे हैं। जयशंकर ने कहा, ''हमारा यह रुख नहीं है कि हमें सीमा के सवाल का हल निकालना चाहिए। हम समझते हैं कि यह बहुत जटिल और कठिन विषय है। विभिन्न स्तरों पर कई बातचीत हुई हैं।

किसी संबंध के लिए यह बहुत उच्च लकीर है।'' उन्होंने कहा, ''मैं और अधिक मौलिक रेखा की बात कर रहा हूं और वह है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में एलएसी पर अमन-चैन रहना चाहिए और 1980 के दशक के आखिर से यह स्थिति रही भी है।''

जयशंकर ने पूर्वी लद्दाख में सीमा के हालात का जिक्र करते हुए कहा, ''अब अगर शांति और अमन-चैन गहन तौर पर बाधित होते हैं तो संबंध पर जाहिर तौर पर असर पड़ेगा और यही हम देख रहे हैं।'' विदेश मंत्री ने कहा कि चीन और भारत का उदय हो रहा है और ये दुनिया में 'और अधिक बड़ी' भूमिका स्वीकार कर रहे हैं, लेकिन 'बड़ सवाल' यह है कि दोनों देश एक 'साम्यावस्था' कैसे हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा, ''यह मौलिक बात है जिस पर मैंने पुस्तक में ध्यान केंद्रित किया है।'' जयशंकर ने बताया कि उन्होंने किताब की पांडुलिपि पूर्वी लद्दाख में शुरू हुए सीमा विवाद से पहले अप्रैल में ही पूरी कर ली थी।

शरद पवार बोले, पीएम मोदी से मिलकर वर्षा प्रभावित किसानों के लिए मागूंगा मदद

औरंगाबाद। राकांपा प्रमुख शरद पवार ने रविवार को कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर राज्य में वर्षा से प्रभावित किसानों के लिए मदद मांगेंगे। मराठवाड़ा क्षेत्र में उस्मानाबाद जिले के कांकरबावडी, सस्तुर गांवों में सुबह-सुबह दौरे पर आए पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने पिछले कुछ दिनों में हुई मूसलाधार बारिश से प्रभावित किसानों से बातचीत की। महाराष्ट्र के पुणे, कोंकण और औरंगाबाद डिविजन में मूसलाधार बारिश और बाढ़ के कारण कम से कम 48 लोगों की मौत हुई है जबकि लाखों हेक्टेयर में लगी फसल बर्बाद हो गई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि बारिश और बाढ़ से पश्चिम महाराष्ट्र के पुणे डिविजन में 29 लोगों की मौत हुई है जबकि मध्य महाराष्ट्र के औरंगाबाद डिविजन, जिसमें उस्मानाबाद भी आता है, में 16 लोगों की और तटवर्ती कोंकण क्षेत्र में तीन लोगों की मौत हुई है।

सास्तुर गांव में किसानों से बातचीत में पवार ने कहा, केन्द्र सरकार को किसानों की मदद करनी चाहिए और उसके लिए मैं अन्य सांसदों के साथ प्रधानमंत्री से भेंट करूंगा।'' राज्यसभा सदस्य ने कहा कि वर्षा प्रभावित किसानों की मदद करने में राज्य सरकार की अपनी सीमाएं हैं और केन्द्र सरकार को ऐसे में मदद करनी चाहिए। पवार ने कहा, ''मैंने अन्य सांसदों से भी कहा है कि हम अगले 8-10 दिन में प्रधानमंत्री से मिलने नयी दिल्ली जाएंगे। इसका समाधान केन्द्र और राज्य को साथ मिलकर करना होगा।

पीएम के कार्यक्रम की हो रही तैयारियां, संबोधन का बंगाल के 10 दुर्गा पूजा पंडालों में किया जाएगा सीधा प्रसारण

कोलकाता। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल भाजपा ने त्योहारों के दौरान जन संपर्क करने की अपनी रणनीति के तहत राज्य के लोगों के नाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का सीधा प्रसारण (लाइव स्ट्रीमिंग) करने का इंतजाम किया है। भगवा पार्टी के सूत्रों ने यह जानकारी दी। प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा साल्ट लेक स्थित पूर्वी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र (ईजेडसीसी) में पहली बार दुर्गा पूजा का आयोजन करेगा। सूत्रों के मुताबिक 'महा षष्ठी' के अवसर पर मोदी का डिजिटल संबोधन इस साल के दुर्गा पूजा के लिये माहौल तैयार करेगा। उल्लेखनीय है कि 'महा षष्ठी' से ही पांच दिनों का उत्सव प्रारंभ होता है। प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष प्रताप बनर्जी ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के संबोधन का ईजेडसीसी और राज्य के 10 अन्य पूजा पंडालों में सीधा प्रसारण किया जाएगा। इन 10 पंडालों के नामों को अंतिम रूप दिया जाना अभी बाकी है। '' प्रधानमंत्री के संबोधन के प्रसारण के लिये पार्टी राज्य के कई हिस्सों में बड़ी स्क्रीन भी लगाएगी। ईजेडसीसी में अगले हफ्ते विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली की पत्नी एवं ओडिशी नृत्यांगना डोना तथा उनकी टीम उदघाटन समारोह में अपनी कला का प्रदर्शन करेगी। इससे पहले, प्रदेश भाजपा प्रमुख दिलीप घोष ने कहा था कि पार्टी कहीं भी दुर्गा पूजा के आयोजन में प्रत्यक्ष रूप से शामिल नहीं है। इससे इन अटकलों को हवा मिली थी कि पार्टी के अंदर मतभेद है। घोष के शुक्रवार को कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी और फिलहाल शहर के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। अगले साल अप्रैल-मई में राज्य में विधानसभा चुनाव होने हैं। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी भाजपा अपना वोट बैंक मजबूत करने के लिये मतदाताओं को रिझाने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। पिछले कुछ वर्षों में राज्य में भाजपा काफी सक्रिय हुई है और 2019 के लोकसभा चुनाव के परिणामों के बाद भगवा पार्टी राज्य में काफी उत्साहित नजर आ रही है।

पीएम मोदी ने न्यूजीलैंड की पीएम को आम चुनावों में जीत पर दी बधाई

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दूसरे कार्यकाल के लिए आम चुनाव में जीत दर्ज करने पर न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न को रविवार को बधाई दी। उन्होंने कहा कि वह द्विपक्षीय संबंधों को उच्च स्तर तक ले जाने के वास्ते मिलकर काम करने के लिए उत्सुक है। अर्डर्न ने आम चुनाव में शनिवार को शानदार जीत दर्ज की। मोदी ने अपने ट्वीट में कहा, ''न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न को उनकी शानदार जीत पर मेरी हार्दिक बधाई। एक साल पहले हमारी आखिरी मुलाकात हुयी थी। भारत तथा न्यूजीलैंड के बीच संबंधों को उच्च स्तर पर ले जाने के वास्ते एक साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं।

ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण, अरब सागर में किया गया टारगेट

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का भारतीय नौसेना के स्वदेशी-निर्मित स्टील्थ विध्वंसक से सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया। INS चेन्नई से अरब सागर में टारगेट किया गया था। मिसाइल ने सटीकता के साथ टारगेट को सफलतापूर्वक हिट किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सफल प्रक्षेपण के लिए डीआरडीओ, ब्रह्मोस और भारतीय नौसेना को बधाई दी है।

दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल

डीआरडीओ और रूस के प्रमुख एरोस्पेस उपक्रम एनपीओएम द्वारा संयुक्त रूप से विकसित ब्राह्मोस मिसाइल 'मध्यम रेंज की रेमजेट सुपरसोनिक क्रूज' मिसाइल है, जिसे पनडुब्बियों, युद्धपोतों, लड़ाकू विमानों तथा जमीन से दागा जा सकता है।

एंटी रेडिएशन मिसाइल रूद्रम-1

पिछले कुछ सप्ताह में भारत ने कई मिसाइलों का परीक्षण किया है, जिनमें सतह से सतह पर मार करने वाली सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस और एंटी रेडिएशन मिसाइल रूद्रम-1 शामिल हैं। भारत ने परमाणु आयुध ले जाने में सक्षम हाइपरसोनिक मिसाइल शौर्य का भी परीक्षण किया है। रूद्रम-1 के सफल परीक्षण को एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर देखा जा रहा है क्योंकि यह भारत का प्रथम स्वदेश विकसित एंटी रेडिएशन हथियार है। मिसाइलों का परीक्षण ऐसे वक्त में किया गया है, जब पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ सीमा पर गतिरोध चल रहा है। भारत ने 30 सितंबर को ब्रह्मोस के सतह से सतह पर मार करने वाले नये प्रारूप का सफल परीक्षण किया था। इस मिसाइल की मारक क्षमता 290 किमी (जो मूल रूप से थी) से बढ़ाकर 400 किमी की दूरी तक की गई है। भारत ने लद्दाख और अरूणाचल प्रदेश में चीन से लगी सीमा पर सामरिक महत्व के कई स्थानों पर काफी संख्या में ब्रह्मोस मिसाइलों को तैनात किया हैं।

खराब की श्रेणी में दिल्ली की वायु गुणवत्ता, प्रदूषण में बढ़ रही पराली जलाने की हिस्सेदारी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

राष्ट्रीय राजधानी में रविवार सुबह वायु गुणवत्ता ''खराब'' श्रेणी में दर्ज की गई और वातावरण में 'पीएम 2.5' कणों में पराली जलाने की हिस्सेदारी ''काफी अधिक'' बढ़ सकती है। एक केंद्रीय एजेंसी ने यह जानकारी दी। वातावरण में शनिवार को कुल 'पीएम 2.5' कणों में से 19 फीसदी पराली जलाने की वजह से आए थे जो पहले के मुकाबले बढ़ गए हैं। 'पीएम 2.5' के कुल कणों में से शुक्रवार को 18 फीसदी पराली जलाने के कारण आए जबकि बुधवार को करीब एक फीसदी और मंगलवार, सोमवार तथा रविवार को करीब तीन फीसदी कण इस वजह से आए थे। शहर में सुबह साढ़े आठ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 275 दर्ज किया गया। शनिवार को 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 287 दर्ज किया गया था। शुक्रवार को यह 239, बृहस्पतिवार को 315 दर्ज था जो इस वर्ष 12 फरवरी के बाद से सबसे ज्यादा खराब है। उस दिन एक्यूआई 320 था। शून्य और 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा , 51 और 100 के बीच संतोषजनक , 101 और 200 के बीच 'मध्यम', 201 और 300 के बीच खराब , 301 और 400 के बीच बहुत खराब और 401 और 500 के बीच को गंभीर माना जाता है। मौसम विज्ञान विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि दिन के वक्त उत्तरपश्चिमी हवाएं चल रही हैं और पराली जलाने से पैदा होने वाले प्रदूषक तत्वों को अपने साथ ला रही है।

रात में हवा के स्थिर होने तथा तापमान घटने की वजह से प्रदूषक तत्व जमा हो जाते हैं। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की 'वायु गुणवत्ता निगरानी एवं मौसम पूर्वानुमान तथा अनुसंधान प्रणाली' (सफर) के मुताबिक हरियाणा, पंजाब और नजदीकी सीमा पर स्थित क्षेत्रों में शनिवार को पराली जलाने की 882 घटनाएं हुईं। इसमें बताया गया कि 'पीएम 2.5' प्रदूषक तत्वों में पराली जलाने की हिस्सेदारी शनिवार को करीब 19 फीसदी रही। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली ने कहा है कि वायु संचार सूचकांक 12,500 वर्गमीटर प्रति सेकेंड रहने की उम्मीद है जो प्रदूषक तत्वों के बिखरने के लिए अनुकूल है। वायु संचार सूचकांक छह हजार से कम होने और औसत वायु गति दस किमी प्रतिघंटा से कम होने पर प्रदूषक तत्वों के बिखराव के लिए प्रतिकूल स्थिति होती है। प्रणाली की ओर से कहा गया कि राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता पर पराली जलाने का प्रभाव सोमवार तक ''काफी बढ़ सकता है।'' अधिकारियों ने शनिवार को कहा था कि पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष इस मौसम में अब तक पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाएं अधिक हुई हैं जिसकी वजह धान की समयपूर्व कटाई और कोरोना वायरस महामारी के कारण खेतों में काम करने वाले श्रमिकों की अनुपलब्धता है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने शुक्रवार को कहा था कि दिल्ली में पिछले साल की तुलना में इस साल सितंबर के बाद से प्रदूषकों के व्यापक स्तर पर फैलने के लिये मौसमी दशाएं अत्यधिक प्रतिकूल रही हैं। बोर्ड के

सदस्य सचिव प्रशांत गार्गव ने उम्मीद जताई थी कि इस साल कम क्षेत्र में गैर बासमती धान की खेती होने के चलते पराली जलाने की घटना 2019 की तुलना में इस साल कम होगी। उल्लेखनीय है कि गैर बासमती धान की पराली चारे के रूप में बेकार मानी जाती है क्योंकि इसमें ''सिलिका'' की अधिक मात्रा होती है और इसलिये किसान इसे जला देते हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)